Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684
साकार भारत

वर्ष : 3 अंक : 208 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, बुधवार 12 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हाथ में तिरंगा थामकर किया भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व

मुख्यमंत्री ने कहा - 140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है तिरंगा

रायपुर। हाथों में लहराता तिरंगा, भारत माता के जयघोष, देशभक्ति के गीत और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हजारों नागरिकों का उत्साह - राजधानी रायपुर आज पूरी तरह तिरंगे के रंग में रंगी नजर आई। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा में हजारों नागरिक राष्ट्रध्वज के तले एकजुट हुए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वयं हाथ में तिरंगा थामकर जनसैलाब के साथ कदम से कदम मिलाया। यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, पूर्व सैनिकों और विभिन्न सामाजिक वर्गों के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा हाथों में थामा गया लगभग एक किलोमीटर लंबा तिरंगा पूरे आयोजन का विशेष आकर्षण रहा।

तिरंगा यात्रा के शुभारंभ से लेकर समापन तक राजधानी में राष्ट्रभक्ति का अद्भुत वातावरण दिखाई दिया। हजारों हाथों में एक साथ लहराते राष्ट्रीय ध्वज और भारत माता के जयघोष ने पूरे यात्रा मार्ग को राष्ट्रप्रेम की भावना से भर दिया। मुख्यमंत्री श्री साय भी नागरिकों के बीच तिरंगा लेकर आगे बढ़े। इस दौरान नागरिकों में मुख्यमंत्री के साथ चलने और राष्ट्रध्वज के सम्मान में आयोजित इस यात्रा का हिस्सा बनने को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। यह केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, स्वाभिमान और असंख्य बलिदानों का प्रतीक है। तिरंगे में देश के 140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की अद्भुत शक्ति है। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और क्षेत्रों की विविधता के बावजूद तिरंगा हम सभी को भारतीय होने के एक साझा गौरव से जोड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तिरंगा लहराता है तो प्रत्येक भारतीय के मन में स्वाभाविक रूप से राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान का भाव जागृत होता है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और एक सशक्त राष्ट्र के रूप में भारत की यात्रा का साक्षी है। तिरंगा हमें अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का भी स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान आज एक व्यापक जनअभियान का स्वरूप ले चुका है। इस अभियान ने तिरंगे को घर-घर तक पहुंचाने के साथ राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों में पूरे सम्मान और गौरव के साथ तिरंगा फहराने तथा तिरंगा यात्राओं से जुड़कर राष्ट्रीय एकता के इस उत्सव को और भव्य बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र भारत में गर्व और सम्मान के साथ जीवन जी रहे हैं, वह स्वतंत्रता हमें सहज रूप से प्राप्त नहीं हुई है। इसके पीछे लाखों देशवासियों का संघर्ष, त्याग, तपस्या और बलिदान जुड़ा हुआ है। देश के असंख्य वीर सपूतों ने मातृभूमि को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में देश के हर क्षेत्र और समाज के लोगों ने अपना योगदान दिया। किसी ने अपना जीवन समर्पित किया, किसी ने अपना घर-परिवार छोड़ा और अनेक वीरों ने मातृभूमि के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। इन बलिदानों के कारण ही आज हम स्वतंत्रता और लोकतंत्र के गौरव का अनुभव कर पा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की नई पीढ़ी स्वतंत्र भारत में जन्मी और आगे बढ़ रही है। इसलिए उसे यह जानना आवश्यक है कि आजादी कितनी अनमोल है और इसके लिए हमारे पूर्वजों ने कितना बड़ा संघर्ष किया। स्वतंत्रता सेनानियों की गौरवगाथाओं से परिचित होकर ही नई पीढ़ी स्वतंत्रता के वास्तविक मूल्य को समझ सकेगी।

श्सेवानिवृत्ति के दिन ही मिले सभी स्वत्व देयक व सम्मानजनक विदाई : मंत्री लक्ष्मी

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने विभागीय प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सेवानिवृत्ति प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि शासन की लंबी सेवा देने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्ति के समय किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कठिनाई का सामना न करें, यह विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री राजवाड़े ने प्रमुख सचिव, संचालक समाज कल्याण तथा संचालक महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया है कि विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रकरणों की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्ति आदेश, पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण और अन्य सभी देय स्वत्व देयकों का निराकरण सेवानिवृत्ति तिथि से पूर्व पूर्ण कर लिया जाए, ताकि संबंधित कर्मचारी को उसके सेवानिवृत्ति दिवस पर ही सभी आदेश और भुगतान उपलब्ध हो सकें।

छत्तीसगढ़ में व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं, आपसी सहयोग से बढ़ेगा व्यापारः राज्यपाल

रायपुर। पूर्वोत्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड कम्युनिटी, दिल्ली-एनसीआर तथा छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने आज समन्वयक सुशील अग्रवाल के नेतृत्व में राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। इस दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वोत्तर तथा दिल्ली-एनसीआर के बीच व्यापारिक एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है और यहां वनोपज, कृषि एवं फार्मिंग, स्टील, चाय सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार एवं उद्योग की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा व्यापार और उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं एवं हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिए भी पूर्वोत्तर राज्यों तथा दिल्ली-एनसीआर में व्यापार एवं उद्योग के विस्तार की भी पर्याप्त संभावनाएं हैं। उन्होंने दोनों क्षेत्रों के चौंबर ऑफ कॉमर्स से आपसी समन्वय बढ़ाकर व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडलों ने आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने तथा व्यापार एवं उद्योग के नए अवसर विकसित करने के संबंध में अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर पूर्वोत्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड कम्युनिटी, नई दिल्ली-एनसीआर के अध्यक्ष श्री अजय खेमानी, राजेश सोनी, सह-समन्वयक सारंग अग्रवाल तथा छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थोरानी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

शरद पवार के बाद स्टालिन भी आएंगे पीएम मोदी के साथ

नई दिल्ली । तमिलनाडु में परिसीमन को लेकर छ्रख्य लगातार दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व की चिंता उठा रही है। पार्टी सांसद कनिमोझी ने हाल में साफ कहा कि छ्रख्य अपने पुराने रुख पर कायम है और तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व की रक्षा तथा '**Fair Delimitation**' की मांग से पीछे नहीं हटी है।

संसद के मानसून सत्र के अंतिम दौर में परिसीमन का मुद्दा एक बार फिर देश की राजनीति के केंद्र में आ गया है। शरद पवार गुट के सांसदों का सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मिलना महज महाराष्ट्र के सूखे, सिंचाई और क्षेत्रीय मांगों तक सीमित मुलाकात नहीं माना जा रहा। बैठक के बाद भले ही परिसीमन विधेयक पर प्रत्यक्ष चर्चा से इंकार किया गया हो, लेकिन इसके राजनीतिक मायने तलाशे जाने लगे हैं। खासकर इसलिए कि शरद पवार गुट के बारे में पहले से संकेत मिलते रहे हैं कि वह विधेयक के अंतिम स्वरूप और सभी राज्यों में लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि जैसी शर्तों के आधार पर सरकार के प्रस्ताव का समर्थन कर सकता है। यहीं से मोदी सरकार की रणनीति का असली राजनीतिक खेल दिखाई देता है। सरकार के लिए परिसीमन महज एक विधेयक नहीं, बल्कि भविष्य के चुनावी प्रतिनिधित्व के ढांचे को प्रभावित करने वाला बड़ा संवैधानिक सवाल है।

मां के नाम लगाया पेड़ - रानीतराई स्कूल के बच्चों ने दिया पर्यावरण को उपहार

बालोद। शासकीय प्राथमिक शाला रानीतराई (कि.)के छात्रों ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रधान पाठक निर्मल दुबे के मार्गदर्शन में कक्षा 1 से 5 के बच्चों ने अपनी माँ के नाम एक एक पौधे लगाए।

छात्रो ने कहा हम अपने पौधे को रोज पानी देंगे जैसे माँ हमारा ध्यान रखती है। विद्यालय परिसर अब हरा-भरा हो गया है और लाल-पीली टाइल्स के बीच पौधे और सुंदर लग रहे हैं।इससे पहले भी पूर्व वर्षों में बहुत से पेड़-पौधे लगाए गए थे जिसमें से अधिकतर बड़े हो गये हैं. स्कूल अब हरा भरा हो गया है।

कलेक्टर महोबे ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं से खरीदी हस्तनिर्मित राखियां

जांजगीर-चांपा रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर कलेक्टोरेट परिसर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार की गई हस्तनिर्मित राखियों का विशेष स्टॉल लगाया गया। जिले के स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने अपनी रचनात्मकता और हुनर का परिचय देते हुए मोती, नग, धान-चावल, रक्तमौली धागे तथा विभिन्न प्रकार के बीजों से आकर्षक, पर्यावरण अनुकूल एवं नवाचार से भरपूर राखियां तैयार की हैं।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट परिसर में लगाए गए राखी स्टॉल का अवलोकन किया और स्व-सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत करते हुए उनसे स्वयं हस्तनिर्मित राखियां खरीदीं। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार राखियों की सराहना करते हुए उनके हुनर और मेहनत को प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं अपने पारंपरिक हुनर को आजीविका से जोड़ते हुए आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं। स्थानीय स्तर पर तैयार किए जा रहे ऐसे उत्पादों को बढ़ावा देने से महिलाओं की आय बढ़ने के साथ स्थानीय उत्पादों को भी बाजार मिल रहा है।

स्टॉल में प्रदर्शित राखियों में पारंपरिक कला के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश भी देखने को मिला। विभिन्न प्रकार के बीजों, धान-चावल और प्राकृतिक सामग्री से तैयार राखियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। बिहान से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों ने बताया कि हस्तनिर्मित राखियों के निर्माण और बिक्री से उन्हें अतिरिक्त आय का अवसर मिल रहा है। पर्व विशेष के लिए तैयार किए गए इन उत्पादों की बिक्री से उन्हें अपने हुनर को पहचान दिलाने के साथ परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी मदद मिल रही है।

वेतन व श्रम सम्मान राशि की मांग को लेकर आवेदकों ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से की मुलाकात

राजनांदगांव। लंबे समय से वेतन एवं श्रम सम्मान राशि का भुगतान नहीं होने से परेशान आवेदकों ने अपनी मांग को लेकर सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं। आवेदकों ने बताया कि वे अपनी मांग को लेकर अब तक विधायक, सांसद, मंत्री सहित संबंधित विभाग के अधिकारियों को कई बार ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या का निराकरण नहीं हो सका है। लगातार प्रयासों के बाद भी मांग पूरी नहीं होने से आवेदकों एवं उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति निर्मित हो गई है। आवेदकों द्वारा

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को सौंपे गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि वे आदिम जाति कल्याण विभाग, राजनांदगांव के अंतर्गत पोस्ट मैट्रिक पिछड़ा वर्ग कन्या एवं बालक छात्रावास में दैनिक वेतनभोगी मजदूर के पद पर कार्यरत हैं। आवेदकों का कहना है कि वे पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते हुए लंबे समय से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है।

आवेदन के अनुसार आवेदकों को विगत 1 मार्च 2025 से अब तक नौ माह का वेतन प्राप्त नहीं हुआ है, वहीं 14 माह की श्रम सम्मान राशि भी लंबित है। आवेदकों ने बताया कि विभाग के पदस्थ अधिकारियों के समक्ष कई बार वेतन भुगतान को लेकर निवेदन किया गया, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। आर्थिक तंगी के कारण आवेदकों को अपने परिवार का भरण-पोषण करने में भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित रूप से कार्य करने के बावजूद महीनों तक वेतन नहीं मिलने से रोजमर्रा की आवश्यकताओं, बच्चों की पढ़ाई, घर-परिवार के खर्च और अन्य जरूरी जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। आवेदकों का कहना है कि वे अपनी समस्या को लेकर लगातार जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें राहत नहीं मिली है।

आवेदकों ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में विधायक, सांसद, मंत्री और विभागीय अधिकारियों सहित संबंधित जिम्मेदारों को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांग रखी है। इसके बावजूद भुगतान नहीं होने से उनकी परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। उनका कहना है कि वे शासन के नियमों के तहत अपनी सेवाएं दे रहे हैं, इसलिए उन्हें लंबित वेतन एवं श्रम सम्मान राशि का भुगतान जल्द किया जाना चाहिए।

3 किलोवाट सोलर रूफटॉप प्लांट से बिजली बिल 5000 से घटकर 1000 से कम, स्वच्छ ऊर्जा को दिया बढ़ावा

छुईखदान। सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जिले के लोगों के लिए बिजली खर्च में राहत के साथ स्वच्छ ऊर्जा अपनाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। इसी क्रम में विकासखंड छुईखदान के ग्राम टिकरीपारा निवासी पूरन दास मानिकपुरी ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर सौर ऊर्जा को अपनाया है।

पूरन दास मानिकपुरी ने बताया कि सोलर प्लांट स्थापित करने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 5 हजार रुपये आता था। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर रूफटॉप प्लांट लगने के बाद अब उनका बिजली बिल 1 हजार रुपये से भी कम रह गया है। इससे उन्हें हर महीने बिजली खर्च में बड़ी आर्थिक बचत हो रही है।

सौर ऊर्जा के उपयोग से न केवल बिजली खर्च में कमी

आई है, बल्कि मानिकपुरी स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी योगदान दे रहे हैं। घर की छत पर स्थापित 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट उन्हें बिजली की जरूरत पूरी करने में मदद कर रहा है और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता भी कम हुई है।

बिजली कर्मचारी संघ महासंघ की प्रदेश कार्यसमिति बैठक भाटापारा में, 17 अगस्त के आंदोलन की तैयारियों पर मंथन

भाटापारा। छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ (संबंद्ध भारतीय मजदूर संघ एवं अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ) की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक भाटापारा में हॉटल वृदांवन पैलेस में 09. अगस्त को आयोजित की गयी। उक्त बैठक में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री राधेश्याम जायसवाल , बी.एम.एस. के उपमहामंत्री हरीश चौहान , प्रांतीय अध्यक्ष संजय तिवारी , बाह्राय स्त्रोत कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मजमूदार , पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष बी.एस. राजपूत , सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग सौ पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय महामंत्री नवरतन बरेठ द्वारा किया गया। उक्त बैठक में मुख्य रूप से आगामी 17 अगस्त के आंदोलन को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। उपस्थित पदाधिकारियों के द्वारा आंदोलन

की वर्तमान स्थिति, संगठन की तैयारियों तथा आगामी रणनीति पर अपने विचार व्यस्त करते हुए आगामी 18 अगस्त के अन्य पदाधिकारियों के साथ पुन: गहन चर्चा के पश्चात अंतिम निर्णय लिए जाने की जानकारी दी गयी। साथ ही अधिक से अधिक कर्मचारियों को महासंघ की सदस्यता दिलाने हेतु सकिय प्रयास किये जाने के निर्देश दिए गए। इसके उपरांत छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ भाटापारा संभाग की नवीन कार्यसमिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष महेन्द्र कुमार वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष मालिकराम देवांगन, उपाध्यक्ष भूषणलाल वर्मा, सचिव संजय बिहारी अग्रवाल, सह सचिव संतोष कुमार जायसवाल, कोषाध्यक्ष योगेश कुमार देवांगन, कार्यालय सचिव दिनेश कुमार वर्मा एवं संगठन सचिव हनीफ मोहम्मद एवं महेश्वर जाधव के साथ कार्यकारिणी सदस्य का चुनाव किया गया।

तीन विशेष टीमों ने औद्योगिक क्षेत्रों व संवेदनशील इलाकों में की जांच, 68 संदिग्धों के फिंगरप्रिंट लिए

बलौदाबाजार। जिले में कानून-व्यवस्था मजबूत करने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सिटी कोतवाली पुलिस ने रविवार शाम बाहरी राज्यों एवं जिलों से आकर निवासरत मजदूरों, किराएदारों और संदिग्ध व्यक्तियों के सत्यापन के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देश और एसडीओपी बलौदाबाजार उषा सोन्धिया के मार्गदर्शन में तीन विशेष टीमों ने औद्योगिक क्षेत्रों, लेबर कॉलोनियों तथा शहर के संवेदनशील इलाकों में एक साथ जांच की।

अभियान के दौरान पुलिस ने बाहरी व्यक्तियों के आधार कार्ड, वोटर आईडी सहित अन्य पहचान दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन किया। सुरक्षा की दृष्टि से संदिग्ध व्यक्तियों के मोबाइल फोन में मौजूद विभिन्न एप्लीकेशन और अन्य गतिविधियों की भी तकनीकी स्तर पर जांच की गई। अभियान में 350 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई, जबकि 68 संदिग्ध व्यक्तियों के फिंगरप्रिंट लेकर बायोमीट्रिक रिकॉर्ड तैयार किया गया।

निरीक्षक परिवेश तिवारी के नेतृत्व में गठित टीम ने अडानी अंबुजा सीमेंट संयंत्र की मानव कॉलोनी रवान में दबिश देकर 300 से अधिक लोगों का सत्यापन और पूछताछ की। सुरक्षा एवं पुलिस रिकॉर्ड के मिलान के लिए 50 संदिग्ध व्यक्तियों के फिंगरप्रिंट लिए गए। शहर के संवेदनशील इलाकों में जांच निरीक्षक अश्वनी सिन्हा के नेतृत्व में टीम ने बलौदाबाजार शहर के भैंसापसरा और रामसागरपारा सहित आंतरिक एवं संवेदनशील क्षेत्रों में किराएदारों तथा बाहरी व्यक्तियों के दस्तावेजों की जांच की।

मंत्री टंकराम वर्मा ने 1.24 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

रायपुर। राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने सारंगढ़ प्रवास के दौरान जिले को स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा और पशु चिकित्सा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने लगभग 1.24 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित विभिन्न विभागीय भवनों का लोकार्पण कर जिला मुख्यालय में बुनियादी सुविधाओं और अधोसंरचना को मजबूती प्रदान की।

मंत्री टंकराम वर्मा ने आज प्रमुख निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया, जिसमें पशु चिकित्सा विभाग को 74 लाख 59 हजार रुपये की लागत से निर्मित जिला कार्यालय भवन, स्वास्थ्य विभाग का 50 लाख रुपये की लागत से तैयार सीजीएमएससी का अतिरिक्त कक्ष, बीपीएचयू भवन तथा जिला अस्पताल का मेडिसीन वार्ड, शासकीय लोचन प्रसाद पाण्डेय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय में जनभागीदारी मद से निर्मित अतिरिक्त कक्ष शामिल हैं। मंत्री वर्मा ने लोकार्पण समारोह के साथ-साथ क्षेत्र में खेल और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। उन्होंने ऑफिसर्स क्लब का उद्घाटन किया।

परिसर में पौधे रोपने के साथ ही मंत्री वर्मा ने ग्राम छुहीपाली में आयोजित वृहद पर्यावरण कार्यक्रम में भाग लेकर सीड बॉल का उपयोग कर पौधरोपण किया। उन्होंने जिला कार्यालय के संयुक्त भवन (कंपोजिट बिल्डिंग) का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके पश्चात मंडी प्रांगण में स्वामित्व योजना के तहत किसान हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख का वितरण किया। इस अवसर पर विधायक उत्तरी जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, उपाध्यक्ष अजय नायक, सदस्य, पूर्व विधायक केराबाई मनहर सहित वरिष्ठ अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

होटल-ढाबों और चखना सेंटरों में शराबखोरी पर पुलिस की कार्रवाई

बलौदाबाजार। जिले में अवैध शराब बिक्री, सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी तथा शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में 9 अगस्त को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान होटल, ढाबा, ठेला और चखना सेंटरों में शराब पीने-बैठने की सुविधा उपलब्ध कराने तथा सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले कुल पांच लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार थाना भाटापारा ग्रामीण, सुहेला, पलारी तथा पुलिस चौकी सोनाखान और गिरौदपुरी की टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में जांच की। कार्रवाई के दौरान सड़क किनारे संचालित होटल, ढाबा और ठेलों में शराबखोरी के लिए सुविधा उपलब्ध कराने तथा अवैध रूप से चखना सेंटर संचालित करने वालों की जांच की गई। वहीं सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए गए लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सभी पांच आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

ये आरोपी पकड़े गए

पुलिस कार्रवाई में मंगलू (55) निवासी ग्राम कुर्रागढ़, चौकी सोनाखान, प्रकाश चंदेल (44) निवासी ग्राम तिल्दाबांधा, थाना सुहेला, प्रकाश सागर (40) निवासी ग्राम मानाकोनी, चौकी गिरौदपुरी, गैंदराम जांगड़े (44) निवासी ग्राम

भरूवाडीह, थाना पलारी तथा रामायण यादव (42) निवासी ग्राम दतरेंगी, थाना भाटापारा ग्रामीण के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों, जुआ-सट्टा, अवैध शराब कारोबार और सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

युवाओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने और मतदाता जागरूकता बढ़ाने पर दिया गया जोर

बेमेतरा। स्वीप कार्ययोजना के तहत मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने तथा युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं मतदान से जोड़ने के उद्देश्य से जिले के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में गठित मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के नोडल अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला कार्यालय बेमेतरा के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रीतम सिंह चौहान ने स्वीप कार्ययोजना के अंतर्गत जिले के सभी उच्च

शैक्षणिक संस्थानों में मतदाता साक्षरता क्लब को सक्रिय रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अगस्त माह के दौरान महाविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर उसका पालन प्रतिवेदन 05 सितम्बर 2026 तक जिला निर्वाचन कार्यालय, बेमेतरा को भेजने कहा। साथ ही महाविद्यालयों में नियुक्त कैम्पस एम्बेसडर एवं उनके द्वारा आयोजित मतदाता जागरूकता गतिविधियों की जानकारी निर्धारित गूगल लिंक में दर्ज करने तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी गतिविधियों को साझा करने के निर्देश दिए।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर सुनील कुमार झा ने प्रशिक्षणार्थियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआई नेट मोबाइल एप की उपयोगिता एवं विभिन्न निर्वाचन सेवाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आयोग द्वारा निर्धारित चार अर्हता तिथियों 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर की जानकारी देते हुए मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम विलोपित कराने, विवरण में संशोधन एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया समझाई। इस दौरान फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 के माध्यम से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन की प्रक्रिया के साथ-साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ड्क्र), विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (स्स्क्र) तथा मतदाता सूची तैयार करने एवं अद्यतन करने की बुनियादी जानकारी भी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका, ईवीएम एवं वीवीपैट के माध्यम से मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया, नैतिक एवं सूचित मतदान, मतदाता साक्षरता, भारतीय संविधान तथा देश की चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को युवाओं एवं नए मतदाताओं के बीच निर्वाचन संबंधी जागरूकता बढ़ाने तथा उन्हें मतदान के अधिकार के प्रति सजग करने के लिए प्रभावी गतिविधियां संचालित करने हेतु प्रेरित किय।

मलेरिया नियंत्रण हेतु सघन जांच अभियान चलाएं : कलेक्टर

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए जिले में मलेरिया के रोकथाम के लिए संवेदनशील एवं अंदरूनी क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए हैं।

बारिश के दिनों में नदी-नालों में बने पुल-पुलियों के ऊपर जल स्तर बढ़ने पर आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री जनदर्शन पोर्टल, सीएम हेल्पलाइन, कलेक्टर जनदर्शन तथा सुशासन तिहार एवं बस्तर मुन्ने अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों को शीघ्र निराकृत करने के लिए कहा गया है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे एवं ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और जनपद एवं नगरीय निकायों के अधिकारी मौजूद थे।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर क्षीरसागर ने अंदरूनी क्षेत्रों में भवन विहीन प्राथमिक शाला के लिए भवनों के निर्माण, आंगनबाड़ी, गोदाम सह उचित मूल्य दुकान इत्यादि निर्माण कार्यों के लिए वीबी जी-रामजी योजना अंतर्गत प्रस्ताव भेजने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत सीसी रोड, धरसा रोड निर्माण के लिए पात्रतानुसार कार्य स्वीकृत किए जा सकते हैं।

देशभक्ति के रंग में रंगेगा कांकेर, उप मुख्यमंत्री अरुण साव होंगे मुख्य अतिथि

कांकेर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 11 अगस्त मंगलवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ सुबह 08 बजे शासकीय नरहरदेव उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कांकेर से होगा और यात्रा न्यू बस स्टैंड स्थित मिनी स्टेडियम में पहुंचकर संपन्न होगी। यात्रा में जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक, एनसीसी कैडेट, स्काउट-गाइड, रेडक्रॉस, ईको क्लब, पीटीआई शिक्षक, युवा एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल होंगे।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस राष्ट्रभक्ति कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में कांकेर विधायक आशाराम नेताम, भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी, अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

तिरंगा केवल भारत का राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश के स्वाभिमान, स्वतंत्रता, एकता, अखंडता और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

विधायक उसेंडी ने बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ

कोंडागांव। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर 10 अगस्त को जिलेभर में बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाने का अभियान आयोजित किया गया। इसी क्रम में डीएव्ही स्कूल देवखरगांव में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी द्वारा स्कूली बच्चों को स्वयं एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक लता उसेंडी ने बच्चों को नियमित रूप से कृमिनाशक दवा लेने, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने तथा हाथों को साबुन से धोने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर ही बच्चों के बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास की नींव है। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस जैसे अभियान बच्चों को स्वस्थ रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बच्चों को कृमि संक्रमण से होने वाले दुष्प्रभावों, जैसे कमजोरी, खून की कमी, भूख में कमी तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास पर पड़ने वाले प्रभावों के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में बच्चों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं को खिलाई एल्बेंडाजोल की खुराक

रायपुर। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर सुकमा जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में छात्राओं को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल की खुराक दी गई। स्वास्थ्य विभाग और विद्यालय प्रबंधन के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस अभियान का उद्देश्य बच्चों और किशोरियों को कृमि संक्रमण से बचाकर उनके स्वास्थ्य, पोषण और शैक्षणिक विकास को बेहतर बनाना है।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में सभी छात्राओं को निर्धारित मानकों के अनुसार एल्बेंडाजोल की खुराक दी गई। अधिकारियों ने छात्राओं को स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, पौष्टिक भोजन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने सुनीं महिलाओं की समस्याएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने आज रायपुर स्थित आयोग कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में महिलाओं से जुड़े विभिन्न मामलों की सुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान महिला उत्पीड़न, पारिवारिक विवाद, भरण-पोषण, घरेलू हिंसा तथा कार्यस्थल पर शोषण से संबंधित कुल 32 प्रकरणों पर विचार किया गया, जिनमें कई मामलों में दोनों पक्षों की उपस्थिति दर्ज हुई। इस अवसर पर आयोग की सदस्यगण श्रीमती सरला कोसरिया , श्रीमती ओजस्वी मंडावी एवं सुश्री दीपिका सोरी भी उपस्थित रहीं।

डॉ. ममता साहू ने सुनवाई के दौरान महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निराकरण पर जोर दिया। आयोग की समझाइश से एक प्रकरण में 1500 रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण राशि देने पर सहमति बनी, जिससे संबंधित महिला को राहत मिली।

कार्यस्थल पर महिलाओं के आर्थिक शोषण से जुड़े मामलों को भी आयोग ने गंभीरता से लिया। इस संबंध में डॉ. साहू ने संबंधित महिलाओं को एफआईआर दर्ज कराने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिक और सेवा क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

जनसुनवाई के दौरान पारिवारिक विवाद, भरण-पोषण, घरेलू हिंसा और महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में आयोग ने आवश्यक कानूनी परामर्श प्रदान करते हुए संबंधित पक्षों को विधिक प्रक्रिया अपनाने की सलाह दी।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने कहा कि आयोग केवल शिकायतों की सुनवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि पीड़ित महिलाओं को सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा, न्याय और आवश्यक कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सीमेंट ईंट व्यवसाय से बदली सोयम समसाद की जिंदगी, मेहनत के दम पर बनीं '7,553 महिलाएं लखपति दीदी'

रायपुर। सीमेंट से बनने वाली ईंटों की डिमांड सरकारी से लेकर प्राइवेट सेक्टर में बहुत ज्यादा बढ़ गई है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस बिजनेस को शुरू करने के लिए सरकार खुद 25 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद और भारी सब्सिडी दे रही है। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के पूर्व में नक्सल प्रभावित ग्राम एर्राबोर की श्रीमती सोयम समसाद ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की मदद से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। कभी परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली समसाद आज सीमेंट ईंट निर्माण का सफल व्यवसाय चला रही हैं। अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने 'लखपति दीदी' का दर्जा हासिल किया है। सुकमा जैसे दूरस्थ और संवेदनशील जिले में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की यह प्रेरक कहानी बताती है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ग्रामीण महिलाएं भी अपनी पहचान बना सकती हैं। सुकमा जिले में वर्तमान में 7,553 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।

समूह से जुड़कर मिली आत्मनिर्भरता की राह

वर्ष 2021 में समसाद बिहान योजना के 'प्रयास समूह' से जुड़ीं। समूह की बैठकों, बचत और ऋण व्यवस्था की जानकारी से उनमें आत्मविश्वास बढ़ा। समूह को मिली चक्रीय निधि और सामुदायिक निवेश निधि से प्राप्त 60 हजार रुपये की सहायता से उन्होंने वर्ष 2023 में हाथ से सीमेंट ईंट बनाने का काम शुरू किया। शुरुआत में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सीमित मांग और अन्य कठिनाइयों के कारण कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया।

बैंक ऋण और मशीन से बढ़ा कारोबार

वर्ष 2025-26 में समसाद ने मशीन से सीमेंट ईंट निर्माण शुरू करने का निर्णय लिया। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और विभागीय अभिसरण के माध्यम से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (क्स्थ्तक्) के तहत ग्रामीण बैंक, दोरनापाल से 5 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। ऋण मिलने के बाद उन्होंने मशीन आधारित ईंट निर्माण शुरू किया। उनकी बनाई ईंटों का उपयोग पंचायतों में आवास निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों में किया जा रहा है। इससे उन्हें प्रतिमाह लगभग 8 से 10 हजार रुपये की आय होने लगी। इसके अलावा वनोपज संग्रहण और कृषि आधारित गतिविधियों से 5 से 7 हजार रुपये प्रतिमाह की अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो रही है।

कई आजीविका स्रोतों से बनीं 'लखपति दीदी'

समसाद ने इस वित्तीय वर्ष में 32 क्विंटल इमली की खरीद भी की, जिससे उन्हें सीजन में 10 हजार रुपये से अधिक की अतिरिक्त आमदनी हुई। विभिन्न आजीविका गतिविधियों से उनकी कुल वार्षिक आय 1,50,468 रुपये तक पहुंच गई है। इसी उपलब्धि के आधार पर वे 'लखपति दीदी' की श्रेणी में शामिल हुई हैं। मुख्यमंत्री ने जिले के प्रवास के दौरान उन्हें चेक प्रदान कर सम्मानित और प्रोत्साहित किया, जिससे उनका आत्मविश्वास और बढ़ा।

स्मार्ट मीटर-बढ़ते बिजली बिल के खिलाफ कांग्रेस का जनांदोलन

जगदलपुर। जगदलपुर में सोमवार को उत्तर और दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की रणनीतिक बैठक हुई। मीटिंग में बढ़ते बिजली बिल, स्मार्ट मीटर और 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना को दोबारा लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार की गई।

बैठक में तय किया गया कि ब्लॉक, मंडल और सेक्टर स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता वार्डों में घर-घर जाकर बिजली उपभोक्ताओं से संपर्क करेंगे। इस दौरान बढ़े हुए बिजली बिल, स्मार्ट मीटर और बिजली से जुड़ी अन्य समस्याओं को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतें दर्ज की जाएंगी। उनसे विरोध-पत्र के साथ ही आवेदन भरवाए जाएंगे। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने कहा कि भाजपा सरकार में बिजली बिलों में बढ़ोतरी से आम जनता और मध्यम वर्ग परेशान है। कांग्रेस सरकार की 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना बंद कर लोगों पर आर्थिक बोझ डाला गया है। इसके साथ ही स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।

31 लाख से संवरा 'ऑपरेशन सिंदूर उद्यान', कौशल विकास के साथ महक रही हरियाली

रायपुर। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भखारा का परिसर इन दिनों अपनी नई पहचान और प्राकृतिक सुंदरता से लोगों का ध्यान खींच रहा है। पर्यावरण वानिकी मद से लगभग 31 लाख रुपए की लागत से निर्मित 'ऑपरेशन सिंदूर उद्यान' अब धीरे-धीरे आकार ले चुका है। कभी खाली रहने वाला यह परिसर आज औषधीय, फलदार और छायादार पौधों की लहलहाती हरियाली से आच्छादित हो रहा है, जो विकास और प्रकृति के बेहतरीन संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। इस उद्यान की आधारशिला पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार और विद्यार्थियों के साथ-साथ आम नागरिकों को स्वच्छ एवं प्राकृतिक वातावरण देने के उद्देश्य से रखी गई थी। परिसर में रोपे गए विभिन्न प्रजातियों के पौधे अब विकसित हो रहे हैं, जिससे यह स्थल आने वाले समय में प्रकृति-प्रेमियों, विद्यार्थियों और स्थानीय निवासियों के लिए एक उत्कृष्ट अध्ययन व विश्राम केंद्र के रूप में उभरेगा।

विश्व आदिवासी दिवस पर छात्रों को कानूनी अधिकारों और साइबर सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

कोण्डागांव । प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय के नेतृत्व में प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेंद्र भट्ट एवं अधिकार मित्र लोकेश यादव रंजन बैध के द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आदिवासियों के अधिकारों और विद्यार्थियों को विधिक रूप से जागरूक बनाना, उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी प्रदान करना, कानून के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना, साइबर अपराधों एवं सामाजिक कुरीतियों से बचाव के प्रति सजग करना तथा उन्हें जिम्मेदार, सुरक्षित एवं जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था।

शिविर में प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेंद्र भट्ट द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, निःशुल्क विधिक सहायता, बाल अधिकार, पॉक्सो अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग, नशामुक्ति, सड़क सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी कानूनों के संबंध में सरल एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई।

साथ ही अधिकार मित्र द्वारा विद्यार्थियों को साइबर ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी एवं बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव, यातायात नियमों के पालन, अपराधों की रोकथाम तथा कानून के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि सोशल मीडिया का उपयोग सदैव सावधानीपूर्वक करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

महतारी वंदन योजना से शबीना बेगम ने संवारा अपना कारोबार

रायपुर । मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। महतारी वंदन योजना इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना से प्राप्त राशि का सदुपयोग कर प्रदेश की अनेक महिलाएं अपने छोटे-छोटे व्यवसायों को आगे बढ़ा रही हैं और आत्मनिर्भरता की नई राह बना रही हैं। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम सरखों निवासी श्रीमती शबीना बेगम की कहानी भी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है।

एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर अंतर्गत ग्राम सरखों निवासी श्रीमती शबीना बेगम अपने घर में छोटी सी चूड़ी की दुकान संचालित करती थीं। सीमित पूंजी और आमदनी के कारण व्यवसाय को विस्तार देना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। परिवार की आर्थिक जरूरतों के बीच व्यवसाय में अतिरिक्त निवेश कर पाना भी आसान नहीं था। ऐसे समय में महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए संबल बनी।

शबीना बेगम को मार्च 2024 से योजना के तहत प्रतिमाह 1,000 रुपये की राशि नियमित रूप से उनके बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। उन्होंने योजना से प्राप्त राशि को बचाकर एकमुश्त अपने चूड़ी व्यवसाय में निवेश किया। इस राशि से उन्होंने दुकान में चूड़ियों की नई डिजाइन और विभिन्न प्रकार के सामान उपलब्ध कराए। दुकान में विविधता बढ़ने से ग्राहकों की संख्या में वृद्धि हुई और उनकी आमदनी भी पहले की तुलना में बेहतर हुई।

धीरे-धीरे शबीना बेगम ने अपने छोटे से व्यवसाय को विस्तार दिया। आज उनका चूड़ी व्यवसाय परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बढ़ी हुई आमदनी से वे परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा पर भी बेहतर ढंग से खर्च कर पा रही हैं। आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ उनके आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

शबीना बेगम ने बताया कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि योजना की राशि को जरूरत के अनुसार सही दिशा में निवेश करने से उनके कारोबार को नई गति मिली है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

जब तक आपकी स्किल फीकी न पड़े, स्टेज मत छोड़िए

दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन मेरे पसंदीदा एक्टर हैं। मुझे उनमें जो पसंद था, वह था उनका डायलॉग डिलीवरी का बिल्कुल अलग-अलग अंदाज। दिलीप कुमार हर शब्द के बाद ठहरते थे, लेकिन प्रत्येक शब्द एक अलग जोर और भाव के साथ आता था। सीधे आपके दिमाग में उतर जाता और जिंदगी भर के लिए वहां जगह बना लेता था।

दूसरी ओर, अमिताभ बच्चन वही डायलॉग बिना रुके बोल सकते थे। सुनने वाले को भी बमुश्किल पता चलता कि उस पर क्या असर हुआ, लेकिन एक पल बाद उसे एहसास होता था कि उसका असर बहुत गहरा था। ये दोनों तब तक मेरी पसंद बने रहे, जब तक मैं छोटे शहरों में रहता था और उन्हें सिर्फ पर्दे पर देखता था।

लेकिन जब मैं मुंबई आया और बॉलीवुड बीट कवर करने लगा तो कुछ ही समय में शत्रुघ्न सिन्हा के प्रति मेरा आकर्षण इन दोनों से भी आगे निकल गया। शत्रुघ्न सिन्हा ने स्क्रीन पर महज यादगार किरदार ही नहीं निभाए, बल्कि जब टाइम मैनेजमेंट की बात आती तो वे एक अलग तरह के विलेन बन सकते थे। फिल्म सेट पर समय पर न पहुंचने के लिए वे बदनाम थे।

लेकिन एक बार पहुंचे तो इसकी पूरी तरह भरपाई कर देते थे। वे अधिकतम एक-दो टेक में ही अपना शॉट दे देते थे। बिना रुके, बिना दोबारा सोचे और एक भी शब्द भूले बिना डायलॉग डिलीवर कर देते थे। उनकी याददाश्त गजब थी। वे एक सिटिंग में स्क्रिप्ट के कई पन्ने पढ़कर उन्हें पूरी तरह याद कर लेते थे। इंडस्ट्री में हर कोई उनकी याददाश्त को लेकर हैरान था।

तभी मुझे 1933 में जन्मी 93 साल की वेल्स की बेहद मशहूर अभिनेत्री डेम सियान फिलिप्स के बारे में पता चला, जो बीबीसी और अन्य चैनलों के टीवी सीरियल्स में भूमिका निभाती थीं। वे 11 साल की उम्र से ही वेल्श भाषा के रेडियो कार्यक्रमों में परफॉर्म करने लगी थीं। इसके बाद उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स में पढ़ाई की और बाद में रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रमैटिक आर्ट में स्कॉलरशिप हासिल की। क्या आप यकीन करेंगे कि स्टेज, टीवी और फिल्मों में उनका कॅरिअर 80 वर्षों से ज्यादा का रहा। जिन स्टेज कलाकारों को मैं जानता हूं, उनमें वे सबसे अच्छी थीं।

सिर्फ अभिनय में ही नहीं, बल्कि डायलॉग याद करने में भी वह शत्रुघ्न सिन्हा से बेहतर थीं। एक ही रीडिंग में वे डायलॉग याद करके बिना किसी गलती के डिलीवर करती थीं, वह भी डायरेक्टर के चाहे गए अंदाज में। वे बिना किसी प्रॉम्प्ट और गलती के लगातार 15 मिनट तक डायलॉग बोल सकती थीं। यही उनकी खासियत थी। लगभग 70 वर्षों तक थिएटर करने के बाद पिछले हफ्ते एक रिहर्सल में जब वे केंद्रीय किरदार की भूमिका निभा रही थीं तो उन्हें लगा कि वे अपनी लाइनें याद नहीं कर पा रही हैं।

फिलिप्स कहती हैं कि 'यह अचानक हुआ। मुझे लगा कि यह अजीब है और वैसे नहीं हो रहा है, जैसे आमतौर पर होता है।' डायरेक्टर एडम पेनफोर्ड हंस पड़े, क्योंकि मिस फिलिप्स के साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। इसके बाद फिलिप्स ने कान में बड लगाने की कोशिश की, लेकिन वह किसी वजह से बाहर निकल आया। उन्होंने प्रॉम्प्ट करने वाली लड़की की तरफ देखा, लेकिन फिलिप्स उसकी आवाज नहीं सुन पा रही थीं।

तब जाकर डायरेक्टर ने कहा कि 'अब यह काम नहीं करने वाला।' रिहर्सल में याददाश्त संबंधी समस्या आने पर तीन दिन बाद ही फिलिप्स ने स्टेज एक्टिंग कॅरिअर से विदा लेने का फैसला किया। इसने मुझे शीर्ष पर पहुंचने वाले लोगों के बारे में एक एहसास कराया कि उनमें कई कमजोरियां हो सकती हैं, लेकिन उनके पास एक सुपर-स्किल भी होती है, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। और जब वह स्किल अपने चरम पर होती है तो उन्हें रिप्लेस कर पाना कठिन होता है।

इसीलिए मेरा मानना है कि हमें स्टेज तब तक नहीं छोड़ना चाहिए, जब तक हमारी वह सुपर-स्किल फीकी न पड़ने लगे। अगर दर्शक अभी भी यह देखने का इंतजार कर रहे हैं कि ऐसा क्या है, जो सिर्फ हम ही कर सकते हैं तो हमें क्यों पीछे हटना चाहिए?

फंडा यह है कि जब आपको स्टेज छोड़ना है तो जरूर छोड़िए, लेकिन सिर्फ इसलिए नहीं कि आपकी एक उम्र हो गई है। तब छोड़िए, जब आपको लगे कि आपकी स्किल अब स्पॉटलाइट के योग्य नहीं रही।

जब-जब माया भ्रमित करे, ईश्वर की लीला से जुड़ें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

पूजा-पाठ और धार्मिक आस्था के बावजूद कई बार मनुष्य के भीतर सवाल उठने लगते हैं कि उसके जीवन में परेशानियां क्यों आ रही हैं। वह सोचने लगता है कि यदि ईश्वर हैं तो हमारी प्रार्थना क्यों नहीं सुनते? हमारी कठिनाइयां दूर क्यों नहीं होतीं? पं. विजयशंकर मेहता के अनुसार, इन सवालों के पीछे अक्सर माया का भ्रम काम करता है।

तुलसीदास जी ने कहा है—'परबस जीव स्वबस भगवंता, जीव अनेक एक श्रीकंता।' अर्थात जीव परतंत्र है, जबकि भगवान स्वतंत्र हैं। संसार में असंख्य जीव हैं, लेकिन श्रीपति भगवान एक हैं। मनुष्य परिस्थितियों, इच्छाओं और भावनाओं के प्रभाव में उलझता रहता है। यही माया उसे वास्तविकता से दूर करके भ्रम पैदा करती है।

माया से बाहर निकलने का सबसे सरल मार्ग भक्ति और भजन है। जब मनुष्य सच्चे मन से ईश्वर का स्मरण करता है तो उसका मन धीरे-धीरे सांसारिक उलझनों से हटकर परमात्मा की ओर केंद्रित होने लगता है। भजन केवल शब्दों का उच्चारण नहीं, बल्कि अपने भीतर ईश्वर के प्रति विश्वास और समर्पण जगाने का माध्यम है।

भागवत पुराण में भगवान कृष्ण की रासलीला का प्रसंग भी माया के रहस्य को समझाता है। बाहरी दृष्टि से देखने पर लोगों को वहां केवल स्त्री और पुरुष दिखाई दिए, लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से यह भगवान और भक्त के बीच प्रेम, समर्पण और आकर्षण की लीला है। भगवान कृष्ण भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं और उन्हें अपने प्रेम में लीन कर लेते हैं। इसलिए जीवन में जब परिस्थितियां भ्रमित करें, मन परेशान हो या माया अपना प्रभाव दिखाए, तब शिकायत करने के बजाय ईश्वर की लीला से जुड़ना चाहिए। भजन, स्मरण और समर्पण मन को स्थिर करते हैं और धीरे-धीरे भ्रम का पर्दा हटने लगता है।

राज्यों में क्षेत्रीय दल अपना जनाधार कायम रखे हुए हैं

बंगाल में टीएमसी की हार और उसके बाद कई दलों में हुए दलबदल ने क्षेत्रीय दलों की प्रासंगिकता को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे। यह सच है कि इस समय क्षेत्रीय दल संकट का सामना कर रहे हैं, लेकिन उनके महत्व को समाप्त मान लेना अभी जल्दबाजी होगी। बंगाल में टीएमसी या दिल्ली में आप जैसे दलों की हार को क्षेत्रीय दलों के स्थायी पतन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

पिछले चार लोकसभा चुनावों के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के वोट शेयर में बहुत अधिक बदलाव नहीं आया है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि वोट शेयर किसी दल के अंतर्निहित जनाधार का सबसे बेहतर इंडिकेटर होते हैं। इसके अलावा मतदाता लोकसभा चुनावों की तुलना में विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय दलों को अधिक प्राथमिकता देते हैं। यह स्थानीय राजनीतिक पहचानों के महत्व को रेखांकित करता है।

बंगाल में हार के बाद टीएमसी को कई विधायकों और सांसदों के दलबदल का सामना करना पड़ा। आप के राज्यसभा सांसदों के बीच भी बड़े पैमाने पर दलबदल हुआ। महाराष्ट्र में एनसीपी (एसपी) के सांसदों ने भी पाला बदला। ये घटनाक्रम संगठनात्मक कमजोरियों की ओर जरूर संकेत करते हैं, लेकिन इसे जनसमर्थन के घटने का संकेत नहीं माना जा सकता। फिलहाल, 11 राज्यों में भाजपा की सरकार है, जबकि कांग्रेस की सरकारें 3 राज्यों में हैं। क्षेत्रीय दल 4 राज्यों में सरकार चला रहे हैं।

इसके अलावा, 10 अन्य राज्यों-यूटी में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारें सत्ता में हैं। इनमें से 4 में क्षेत्रीय दल गठबंधन के प्रमुख साझेदार हैं, जबकि भाजपा की भूमिका सहयोगी की है। ये हैं- आंध्र प्रदेश, मेघालय, नगालैंड और पुडुचेरी। शेष 6 में भाजपा क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन करके सरकार का नेतृत्व कर रही है। इनमें बिहार, यूपी, असम, गोवा, महाराष्ट्र और त्रिपुरा शामिल हैं। 3 राज्यों में कांग्रेस भी क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन सरकार का हिस्सा है।

झारखंड में कांग्रेस झामुमो की कनिष्ठ गठबंधन सहयोगी है और जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की। केरल में कांग्रेस अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रही है। पिछले चार लोकसभा चुनावों के दौरान विभिन्न दलों को मिले वोटों के विश्लेषण से पता चलता है कि इस अवधि में राष्ट्रीय दलों का संयुक्त वोट शेयर 60.04% से 68.15% के बीच रहा है। यानी उनका समग्र चुनावी समर्थन अपेक्षाकृत स्थिर रहा है। राष्ट्रीय दलों का सबसे कम संयुक्त वोट शेयर 2014 के लोकसभा चुनाव में दर्ज किया गया, जब उन्हें कुल मतों का 60.04% मिला था। वहीं सबसे अधिक 68.15% वोट उन्हें 2019 के लोकसभा चुनाव में मिले थे।

महत्वपूर्ण बात यह है कि 2014 का चुनाव दिखाता है कि भारत की 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' चुनाव प्रणाली में वोट शेयर और चुनावी नतीजे हमेशा एक-दूसरे के अनुरूप नहीं होते। पिछले चार लोकसभा चुनावों में 2014 में राष्ट्रीय दलों का संयुक्त वोट शेयर सबसे कम रहने के बावजूद भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने निर्णायक बहुमत हासिल किया था और केंद्र में सरकार बनाई थी। 2009 के लोकसभा चुनाव में सभी राष्ट्रीय दलों को मिलाकर 63.59% वोट मिले थे, जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी राष्ट्रीय दलों का संयुक्त वोट शेयर 62.72% रहा। इससे संकेत मिलता है कि चुनावी राजनीति में उनकी समग्र उपस्थिति व्यापक रूप से स्थिर बनी हुई है।

दूसरी ओर, क्षेत्रीय दलों ने लोकसभा चुनावों में लगातार करीब एक-तिहाई वोट हासिल किए हैं, हालांकि अलग-अलग चुनावों में इसमें कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 2009 के लोकसभा चुनाव में सभी क्षेत्रीय दलों को मिलाकर 31.22% वोट मिले थे, जबकि 2014 के लोकसभा चुनाव में क्षेत्रीय दलों का संयुक्त वोट-शेयर 35.86% रहा। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी सभी क्षेत्रीय दलों को मिलाकर 33.52% वोट मिले। एकमात्र अपवाद 2019 का चुनाव रहा, जब क्षेत्रीय दलों का संयुक्त वोट शेयर 28.1% था।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि कुछ राज्यों में चुनावी झटकों के बावजूद क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय स्तर पर और कई राज्यों में अपना पर्याप्त जनाधार बनाए हुए हैं। उनके चुनावी प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव आ सकता है, पर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तमिलनाडु में डीएमके को नुकसान हुआ तो उसकी जगह किसी राष्ट्रीय दल ने नहीं, बल्कि एक अन्य क्षेत्रीय दल टीवीके ने ले ली। इससे पता चलता है कि कई राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा का स्वरूप अब भी मुख्य रूप से क्षेत्रीय राजनीतिक ताकतों से ही तय होता है।

गत चार लोकसभा चुनावों के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी क्षेत्रीय दलों के वोट शेयर में बहुत अधिक बदलाव नहीं आया है। वोट शेयर किसी दल के अंतर्निहित जनाधार का सबसे बेहतर इंडिकेटर होते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

असहमति के अधिकार की रक्षा ही लोकतंत्र की असली ताकत

जयपुर। ट्रंप की नीयत पर सवाल हो सकते हैं, लेकिन उनका यह कहना सही है कि लोकतांत्रिक मतभेद गोलियों से नहीं, बल्कि खुली बहस से सुलझाए जाने चाहिए। अभिव्यक्ति की आजादी का अर्थ केवल पसंदीदा विचारों को बोलने का हक नहीं, बल्कि नागवार और असहमत आवाजों के लिए जगह बचाए रखना है। डॉनल्ड ट्रंप के बयानों को गंभीरता से लेना मुश्किल है और यदि बयान प्रेस के बारे में हों, तो मुश्किल और बढ़ जाती है। अमरीकी राष्ट्रपतियों में शायद ही किसी का पत्रकारों से रिश्ता इतना कटु रहा हो। उन्होंने समाचार संस्थानों को बेईमान बताया है, पत्रकारों को जनता का दुश्मन करार दिया है, सवाल पूछने वाले रिपोर्टरों पर शिष्टाचार की सीमाएं लांघकर निजी हमले किए हैं। प्रेस की आजादी का मसला उठाने वाले संस्थानों पर नकेल कसने के लिए उनके लाइसेंस तक रद्द करने की धमकियां दे डाली हैं। इसीलिए व्हाइट हाउस संवाददाता संघ के हालिया जलसे में उनके बोल चौंकाने वाले रहे। ट्रंप ने फरमाया कि अमरीकी आवाम को अपने मतभेद 'गोलियों से नहीं, बल्कि खुली और पुरजोर बहस से' सुलझाने चाहिए।

हो सकता है यह अवसर की मर्यादा निभाने की मजबूरी में कहा गया हो, क्योंकि उसी शाम उन्होंने पत्रकारों पर 'ट्रंप डिरेंजमेंट सिंड्रोम' यानी ट्रंप-विरोधी विकार से ग्रस्त होने का तंज भी कस दिया। यों तो ट्रंप कोई भी संदेश देते विश्वसनीय नहीं लगते। लेकिन लोकतंत्र के व्यापक हित को देखते हुए सिर्फ यही वजह उनके इस संदेश को खारिज करने के लिए पर्याप्त नहीं। कोई भी सिद्धांत केवल इसलिए अवैध नहीं हो जाता कि उसका पैरोकार स्वयं उसे आचरण में नहीं लाता। यही बात अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी लागू होती है। अगर सिर्फ वही बात कही जा सके जिसे सत्ता सुनना चाहती है, तो सार्वजनिक बहस का स्थान सहमति का छलावा ले लेता है। और यदि केवल बहुमत को तुष्ट करने वाली बात कहने की स्वतंत्रता हो, तो वह स्वतंत्रता नहीं, सुविधा कहलाती है। ऐसे में लोकतंत्र जवाबदेही से कतराने लगता है। प्रेस पर कीचड़ उछालना और उसका गला घोंटना, ये अलग बातें हैं। एक नेता पत्रकार की बेइज्जती करे, किसी खबर पर आपत्ति जताए, अखबार पर पक्षपात का आरोप मढ़े, यह सब कितना भी बदरंग क्यों न हो, खुद-ब-खुद सेंसरशिप नहीं बन जाता। मामला गंभीर तब हो उठता है, जब इस टकराव में प्रशासकीय शक्ति भी झोंक दी जाती है। ट्रंप प्रशासन ने पत्रकारों और उनके सूत्रों के खिलाफ ट्रंप से जुड़े विवादास्पद मुद्दे उठाने पर कई बार कार्रवाई की है। यहीं अमरीकी व्यवस्था का महत्व सामने आता है। संविधान का पहला संशोधन सरकारी शक्ति पर अंकुश लगाता है। अदालतें नियमित रूप से ट्रंप के मीडिया-विरोधी फैसलों को असंवैधानिक बताकर रद्द करती रही हैं, जैसे एसोसिएटेड प्रेस के पत्रकारों के व्हाइट हाउस कार्यक्रमों में शिरकत पर प्रतिबंध, सुरक्षा का हवाला देकर स्वतंत्र पत्रकारिता पर लादे गए दमनकारी नियम, नेशनल पब्लिक रेडियो, पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग सर्विस और वॉइस ऑफ अमरीका को खत्म करने की कोशिशें तथा वॉल स्ट्रीट जर्नल, न्यूयॉर्क टाइम्स और वॉशिंगटन पोस्ट के खिलाफ मानहानि के मुकदमे। यही वजह है कि लोकतंत्र में व्यक्तियों से अधिक संस्थाओं का महत्व होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था हमेशा पटरी पर चलती है। लेकिन यह व्यवस्था सत्ता की आंखों में आंखें डालकर सवाल पूछने की जगह तो बनाती ही है। राजनीतिक ध्रुवीकरण के दौर में लोग अक्सर यह बुनियादी फर्क भूल जाते हैं। जब कोई हमारे विरोधी नेता की आलोचना करता है तो हम उसकी सराहना करते हैं, लेकिन अपनी पसंद के नेता पर सवाल उठते ही विरोध करने लगते हैं। लोकतंत्र में यह जरूरी नहीं कि सब एक सुर में बोलें। लोकतंत्र तो बस अलग सुर में बोलने की गुंजाइश चाहता है। असली खतरा असहमति को अपराध बताकर उसे सेंसरशिप, सरकारी मशीनरी या सत्ता के दबाव से कुचलने की कोशिश में है। यदि सरकार ही तय करने लगे कि कौनसी राय सही है और कौनसी गलत, तो कल यही शक्ति किसी भी विरोधी आवाज को दबाने का माध्यम बन सकती है। लोकतंत्र की असली परीक्षा यही है कि हम जिन विचारों से असहमत हों, उनके बोलने के अधिकार की भी रक्षा कर सकें।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

कैकेईजी मूर्तिमती क्रिया हैं। पर क्रिया रूपा कैकेई के अंत:करण में लोभ तथा ईर्ष्या की तीव्रतम भावना मंथरा के द्वारा उत्पन्न कर दी जाती है, तथा कैकेईजी की बुद्धि मंथरा के लोभ द्वारा आछन्न हो जाती है। और दूसरी ओर बड़े महत्व का संकेत यह है कि महाराज श्रीदशरथ की मन:स्थिति भी वैसी नहीं है जैसे कि रामराज्य के निर्माता की होनी चाहिए। इस संदर्भ में आप यह ध्यान रखेंगे कि कैकेईजी के भवन में तीन महापुरुषों के प्रवेश का वर्णन आता है। सर्वप्रथम कैकेईजी के भवन में महाराज श्रीदशरथ ने प्रवेश किया। उसके पश्चात जब प्रात:काल हुआ तो भगवान राम कैकेई के भवन में आए तथा भगवान राम के वनगमन के पश्चात जब श्रीभरत ननिहाल से आते हैं तो वे भी सबसे पहले कैकेई अंबा के भवन में ही गए। लेकिन इन तीनों महाराज श्रीदशरथ, भगवान श्रीराघवेंद्र तथा श्रीभरत का कैकेई के महल में जो प्रवेश होता है उसके अंतरंग अर्थ पर जरा विचार कीजिए कि कैकेई के भवन में महाराज श्रीदशरथ कैसे जाते हैं, श्रीराम कैसे जाते हैं, और श्रीभरत उनके भवन में कैसे जाते हैं ? परंतु इस संदर्भ में मैं पुन: आपको याद दिलाऊँ कि कैकेईजी क्रियामयी हैं तथा महाराज श्रीदशरथ मूर्तिमान वेद हैं। प्रश्न यह है कि जीवन में क्रिया (कर्मयोग) को स्वीकार किया जाना चाहिए कि नहीं। और इस संदर्भ में इन तीनों पात्रों ने हमारे समक्ष तीन रूप प्रस्तुत किए हैं।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

चीन से मेलजोल बढ़ाकर क्षेत्र को खतरे में डाल रहे हैं ट्रम्प

विदेश-नीतियां रातों-रात नहीं बदलतीं। अकसर उन्हें बदलते बयानों, नौकरशाही के समायोजनों और कूटनीतिक प्राथमिकताओं में हेरफेर के जरिये धीरे-धीरे ध्वस्त किया जाता है। अमेरिका की हिन्द-प्रशांत रणनीति भी इसका अपवाद नहीं है। एक दशक पहले, जापानी प्रधानमंत्री शिन्जो आबे ने स्वतंत्र और खुले हिन्द-प्रशांत के विचार को सामने रखा था।

इसके पीछे यह सोच थी कि हिन्द और प्रशांत महासागर ऐसा रणनीतिक क्षेत्र हैं, जिस पर किसी ताकत को हावी होने से रोकने के लिए प्रतिबद्ध लोकतंत्रों का गठबंधन बनाना होगा। बाद में अमेरिका ने भी इस दृष्टिकोण को अपनाया और क्वाड को पुनर्जीवित किया। इसके सदस्यों- ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान, अमेरिका को क्षेत्रीय शक्ति संतुलन के स्तम्भ माना गया।

लेकिन अब डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका और चीन से मिलकर बने जी2 के विचार को आगे बढ़ा रहे हैं। मुक्त और खुले हिन्द-प्रशांत दृष्टिकोण के विपरीत जी2 अवधारणा यह मानती है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतों को ही आपसी बातचीत के जरिये क्षेत्रीय संतुलन को गढ़ना चाहिए। यह दृष्टिकोण बहुपक्षीय कूटनीति की कीमत पर द्विपक्षीय सौदेबाजी को बढ़ावा देता है, जिससे मिडिल-पावर्स का रणनीतिक महत्व कम हो जाता है। इसकी स्थिरता काफी हद तक वॉशिंगटन और बीजिंग के नेताओं की व्यक्तिगत केमिस्ट्री और बदलते कैलकुलेशंस पर निर्भर करती है।

आज तो ट्रम्प, शी जिनपिंग के प्रति नरम होते दिख रहे हैं, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि कल क्या होगा। इसे ट्रम्प की गैर-परम्परागत कूटनीति का एक और उदाहरण बताया जा सकता है, जो अकसर द्विपक्षीय सौदेबाजी पर जोर देती है। लेकिन उनके प्रशासन ने क्वाड को भी कम प्राथमिकता दी है और उनकी नवीनतम राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में इस समूह का केवल एक बार ही संक्षिप्त उल्लेख किया गया है।

अमेरिकी रक्षा विभाग ने भी इसे फिर से इंडो-पैसिफिक के बजाय केवल पैसिफिक कहना शुरू कर दिया है। यह कोई फौरी कूटनीतिक गड़बड़ी नहीं है। ट्रम्प के राज में खुले तौर पर हिन्द-प्रशांत रणनीति बिखर रही है। पिछले दशक में आबे की हिन्द-प्रशांत दृष्टि ने जापान की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति को आधार दिया था, जिसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना था कि चीन पूर्वी एशिया में सैन्य-दबाव न बनाए।

यदि अमेरिका पश्चिमी-प्रशांत पर ध्यान केंद्रित करता है, तो जापान के सामने चीन की समुद्री ताकत का सामना करने का खतरा होगा। इस सबमें भारत भी एक केंद्रीय स्थान रखता है। यह पिछले महीने जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची की नई दिल्ली की यात्रा के दौरान स्पष्ट हो गया था, जब उन्होंने और नरेंद्र मोदी ने इंडो-पैसिफिक ढांचे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया था। वे एआई और महत्वपूर्ण खनिजों से लेकर रक्षा प्रौद्योगिकी तक के क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने पर सहमत हुए थे।

जापान के लिए, भारत सिर्फ एक और रणनीतिक भागीदार नहीं है। अपने विशाल आकार, मजबूत सैन्य शक्ति, गतिशील अर्थव्यवस्था और हिन्द महासागर में अपनी प्रभुत्वशाली स्थिति के साथ भारत हिन्द-प्रशांत वास्तुकला का अडिग पश्चिमी स्तम्भ है। भारत चीन के सामने दो-मोर्चों वाली दुविधा पेश करता है, जो चीनी सैन्य योजनाकारों को अपने फोकस और संसाधनों को दो जगहों पर विभाजित करने के लिए मजबूर करता है।

अगर चीन को भारत के साथ अपनी लंबी, तनावपूर्ण हिमालयी सीमा की निगरानी और हिन्द महासागर व्यापार मार्गों की रक्षा न करनी पड़ती, तो वह पश्चिमी-प्रशांत में भारी संख्या में बल केंद्रित कर पाता। इंडो-पैसिफिक से इंडो को हटाकर ट्रम्प प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण गतिशीलता की अपनी समझ की कमी को उजागर किया है। जी2 के साथ मिलकर, यह बदलाव चीन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतीकात्मक और भू-राजनीतिक जीत के समान है।

आखिरकार, चीनी नेताओं का लंबे समय से यह तर्क रहा है कि इंडो-पैसिफिक रणनीति का वास्तविक उद्देश्य चीन को रोकना और एशिया-प्रशांत देशों को अमेरिकी प्रभुत्व के मोहरे बनाना था। वे एक प्रशांत-केंद्रित ढांचे को कहीं अधिक पसंद करेंगे, जिसमें अमेरिका और चीन सीधे बातचीत करें और अन्य क्षेत्रीय शक्तियां जैसा कहा जाए वैसा करें। ट्रम्प जी2 के विचार को आगे बढ़ा रहे हैं। हिन्द-प्रशांत दृष्टिकोण के विपरीत यह अवधारणा यह मानती है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतों अमेरिका और चीन को ही आपसी बातचीत के जरिये क्षेत्रीय संतुलन को गढ़ना चाहिए।

(@ प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

देश के बच्चे अब पढ़ेंगे छत्तीसगढ़ का इतिहास और लोक-संस्कृतिः मुकुटधर पांडेय, सप्रे और इंसानों से प्यार करने वाले 'गंगाराम मगरमच्छ' की कहानी कोर्स में

रायपुर। अब देश में पढ़ने वाले करोड़ों बच्चे छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, महान साहित्यकारों और यहां की अनोखी लोक-कथाओं से रूबरू होंगे। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा तैयार की जा रही कक्षा 5वीं और 8वीं की नई किताबों विशेषकर सामाजिक विज्ञान में राज्य से जुड़ी सामग्री को प्रमुखता से शामिल किया गया है।

नए पाठ्यक्रम में छायावाद के जनक पंडित मुकुटधर पांडेय और हिंदी पत्रकारिता के शलाका पुरुष पंडित माधवराव सप्रे की जीवनी को जगह दी गई है।शिक्षकों के लिए भी एनसीईआरटी ने राहत भरा कदम उठाया है। पहले सामाजिक विज्ञान में 22 पाठ हुआ करते थे, जिन्हें अब घटाकर 12 पाठों में समेट दिया गया है। ये बड़े बदलाव :

1. 'गंगाराम' मगरमच्छ: इंसान और बेजुबान की अनूठी मिसाल: बेमेतरा जिले के बावा मोहतरा गांव के चर्चित मगरमच्छ 'गंगाराम' की कहानी कक्षा 5वीं के बच्चे पढ़ेंगे। 100 साल से अधिक उम्र का यह मगरमच्छ

गांव के तालाब में रहता था, लेकिन ग्रामीणों, महिलाओं और बच्चों के साथ उसका आत्मीय रिश्ता ऐसा था कि उसने कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया।

2. 'जो जीता वही सिकंदर' की जगह 'जो जीता वही बाजीराव': पाठ 'जो जीता वही बाजीराव' के नाम से जाना जाएगा। पेशवा बाजीराव ने अपने 40 वर्ष के जीवनकाल में 40 युद्ध लड़े और सभी में जीते।

3. महापुरुषों को मिला प्रमुख स्थान: पंडित मुकुटधर पांडेय की जीवनी को कक्षा 8वीं में शामिल किया गया है, वहीं पंडित माधवराव सप्रे का पाठ अब 6वीं की जगह 8वीं कक्षा के सिलेबस का हिस्सा होगा।

इसके साथ ही पिछले कुछ वर्षों से किताबों में उपेक्षित रहे राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय भाषा और राष्ट्रीय चिह्नों से जुड़े अध्यायों को पुन: गरिमा के साथ प्रमुखता से जोड़ा गया है।

खास जानकारी : एनसीईआरटी का व्यापक दायरा केंद्रीय विद्यालय और सीबीएसई स्कूल : देश के लगभग 28,000+ सीबीएसई संबद्ध स्कूलों में एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम अनिवार्य रूप से लागू होता है।

राज्य शिक्षा बोर्ड : देश के 19 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने राज्य बोर्डों जैसे हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश आदि में एनसीईआरटी की किताबों को पूरी तरह या आंशिक रूप से हिंदी व अंग्रेजी माध्यम में अपनाया हुआ है।

किराए पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

13-14 घंटे नहीं, अब सिर्फ 6-7 घंटे में रायपुर से विशाखापट्टनम पहुंचेंगे यात्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के बीच सड़क संपर्क को नई रफ्तार मिलने वाली है। भारतमाला परियोजना के तहत बन रहे छह-लेन ग्रीनफील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर के अंतिम चरण में पहुंचते ही रायपुर से विशाखापट्टनम के बीच पहली बार सीधी बस सेवा शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। दोनों राज्यों के परिवहन विभाग रूट, परमिट और अन्य औपचारिकताओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। नई सड़क शुरू होने के बाद यात्रा का समय 13-14 घंटे से घटकर करीब 6-7 घंटे रह जाएगा। इस रूट पर लग्जरी वॉल्वो बसें चलाने की भी योजना है। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के परिवहन विभाग रायपुर-विशाखापट्टनम सीधी बस सेवा शुरू करने के लिए अंतरराज्यीय समझौते को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। बसों की संख्या, परमिट, रूट और समय-सारिणी तय करने की प्रक्रिया जारी है। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद बस ऑपरेटरों से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर इस रूट पर बसों का संचालन शुरू किया जाएगा।

तिरंगा 140 करोड़ भारतीयों के स्वाभिमान की अमर गाथा

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्वगुरु बनाने का लें संकल्पः विधायक अनुज शर्मा

रायपुर। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आज राजधानी रायपुर में एक विशाल एवं भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति से सराबोर यह यात्रा सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होते हुए सुभाष स्टेडियम तक पहुंची। इस भव्य आयोजन में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, धरसीवाँ विधायक श्री अनुज शर्मा सहित विभिन्न मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, स्कूली छात्र-छात्राएं और हजारों की संख्या में आम नागरिक हाथों में तिरंगा थामे पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए।

इंडोर स्टेडियम से शुरू होकर यह तिरंगा यात्रा शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों से गुजरी। पूरी यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के गगनभेदी नारों से राजधानी का वातावरण पूरी तरह राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'तिरंगा यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का एक महान अनुष्ठान है। यह हमारी एकता, अखंडता और संप्रभुता का प्रतीक है।' उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से अपने-अपने घरों पर शान से तिरंगा फहराने की अपील की।

यात्रा के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए धरसीवाँ विधायक अनुज शर्मा ने कहा, 'तिरंगा केवल एक कपड़ा या झंडा नहीं, बल्कि देश के करोड़ों स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सपूतों के बलिदान की अमर गाथा है। आज की यह तिरंगा यात्रा इस बात का उद्घोष है कि हमारा भारत एक नए युग, नए आत्मविश्वास और अजेय शक्ति के साथ आगे बढ़ रहा है।' तिरंगे के रंगों की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा, 'केसरिया हमें वीरता, सफेद शांति और हरा रंग हमारी खुशहाली को दर्शाता है। बीच का अशोक चक्र याद दिलाता है कि भारत न कभी रुका है, न कभी झुका है। जब कोई नागरिक हाथ में तिरंगा लेकर सड़क पर निकलता है, तो केवल एक झंडा नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का स्वाभिमान और गर्व लहराता है।' विधायक अनुज शर्मा ने आगे कहा, 'आज हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत जिस तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण से काम करके देश के विकास में अपना योगदान देंगे।' उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और सीमा पर देश की रक्षा करने वाले वीर जवानों को नमन करते हुए सभी नागरिकों से अपने घरों और संस्थानों पर तिरंगे का पूर्ण सम्मान करते हुए इसे फहराने का आग्रह किया। उन्होंने जनता का आह्वान करते हुए कहा, 'आइए, आज इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में हम सब मिलकर शपथ लें कि हम देश की एकता और अखंडता की रक्षा करेंगे, 'राष्ट्र सर्वोपरि' के भाव को दिल में जगाए रखेंगे और भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प को पूरा करने में जी-जान लगा देंगे।' अंत में उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

डेडलाइन खत्मःस्काईवॉक का 60% काम बाकी कार्रवाई छोड़ एजेंसी को एक्सटेंशन देने की तैयारी

रायपुर। राजधानी के करीब 1500 मीटर लंबे स्काईवॉक को पूरा करने की समय सीमा खत्म हो चुकी है, लेकिन अब तक सिर्फ 40% काम ही हुआ है। 60% से अधिक निर्माण बाकी है।

ठेका एजेंसी को अप्रैल 2026 तक काम पूरा करना था। इसके बाद जुलाई में टेंडर की निर्धारित अवधि भी समाप्त हो गई। इसके बावजूद पीडब्ल्यूडी निर्माण में देरी पर एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उसे फिर एक्सटेंशन देने की तैयारी में है।

एजेंसी ने दिसंबर 2026 तक काम पूरा करने का दावा किया है, लेकिन भास्कर की ग्राउंड पड़ताल में मौजूदा रफ्तार और अधूरे हिस्सों को देखते हुए इस समय सीमा में भी काम पूरा होने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। भास्कर पड़ताल के दौरान पता चला कि कचहरी चौक, आंबेडकर अस्पताल चौक और शास्त्री चौक पर गर्डर चढ़ाए जा चुके हैं।

मौके पर गर्डर और बीम देखकर पहली नजर में निर्माण तेजी से आगे बढ़ता दिखाई देता है, लेकिन पैदल यात्रियों के लिए जरूरी कनेक्टिविटी वाले हिस्से अब भी अधूरे हैं। कई जगह पिलर और सीढ़ियों का काम पूरा नहीं हुआ है। रोटरी, लिफ्ट, एस्केलेटर और ऊपरी हिस्से की वेल्डिंग भी बाकी है।

कलेक्टोरेट और जिला कोर्ट की ओर जाने वाले तीन एग्जिट प्वाइंट अधूरे हैं। डीकेएस और आंबेडकर अस्पताल को जोड़ने वाला हिस्सा बंद है। जयस्तंभ चौक, शहीद स्मारक और तहसील कार्यालय की ओर भी निर्माण पूरा नहीं हुआ है। यानी स्काईवॉक का स्ट्रक्चर भले ही कई जगह दिखाई देने लगा हो, लेकिन लोगों के एक छोर से दूसरे छोर तक चलने के लिए जरूरी नेटवर्क अभी तैयार नहीं है।

पीडब्ल्यूडी निर्माण में देरी की वजह शहर के बीच ट्रैफिक का दबाव बता रहा है। अधिकारियों के अनुसार व्यस्त इलाके में काम होने के कारण निर्माण प्रभावित हो रहा है। हालांकि सवाल यह है कि जब निर्माण अवधि पहले से तय थी तो ट्रैफिक और साइट की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर मैनपावर और कार्ययोजना क्यों नहीं बनाई गई?

स्काईवॉक को लेकर बैठक हुई है। ठेका एजेंसी दिसंबर तक काम पूरा करने का दावा कर रही है। टेंडर की तय समय सीमा भी समाप्त हो चुकी है। एक्सटेंशन देने के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक होगी। इसके बाद ही एक्सटेंशन और आगे की कार्ययोजना पर निर्णय लिया जाएगा। **-बीके गोठी, ईई, ब्रिज संभाग, रायपुर**

AIIMS रायपुर में निकली 121 सीनियर रेजिडेंट की भर्ती

रायपुर। रायपुर में मेडिकल क्षेत्र में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए अच्छी खबर है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर ने विभिन्न विभागों में सीनियर रेजिडेंट (नॉन-एकेडमिक), ग्रुप- के 121 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इन पदों पर नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी। भर्ती में जनरल के 44, **OBC** के 37, **SC** के 20, **ST** के 13 और **EWS** के 7 पद शामिल हैं। **AIIMS** रायपुर में एनेस्थिसियोलॉजी एवं क्रिटिकल केयर के 5, एनाटॉमी के 2, बायोकेमिस्ट्री के 3, कार्डियोलॉजी के 1, डर्मेटोलॉजी के 2, एंडोक्राइनोलॉजी के 3, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के 4, जनरल मेडिसिन के 8, जनरल सर्जरी के 6, नेफ्रोलॉजी के 4, न्यूरोलॉजी के 2, ऑर्थोपेडिक्स के 4, पीडियाट्रिक्स के 3, पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन के 5, रेडियो डायग्नोसिस के 3, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के 3 और यूरोलॉजी के 4 पद हैं। इसके अलावा बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी, **CTVS,** क्लिनिकल हेमेटोलॉजी, कम्युनिटी एवं फैमिली मेडिसिन, डेंटिस्ट्री, फोरेंसिक मेडिसिन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, नियोनेटोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, न्यूक्लियर मेडिसिन, साइकियाट्री, ट्रॉमा एवं इमरजेंसी समेत अन्य विभागों में भी पद हैं।

छत्तीसगढ़ में 'पार्षद पति' कल्चर खत्म, सरकार ने बदला नियमः महिला पार्षद जीतीं तो फैसले खुद लेंगी; पति-रिश्तेदारों को प्रतिनिधि बनाने पर रोक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब महिला पार्षद चुनी गईं तो उनके पति या परिवार के दूसरे सदस्य उनके नाम पर काम नहीं चला सकेंगे। राज्य सरकार ने नगरीय निकायों में 'पार्षद पति' और परिवार के जरिए प्रतिनिधित्व की व्यवस्था पर रोक लगा दी है।

नए नियम के मुताबिक महिला जनप्रतिनिधि के पति, पुत्र-पुत्री, भाई-बहन या किसी अन्य करीबी रिश्तेदार को उनके प्रतिनिधि या समन्वयक नहीं बनाया जा सकेगा। सरकार ने राजपत्र में अधिसूचना जारी कर नियम में यह नया प्रावधान जोड़ा है।

अधिसूचना में साफ कहा गया है कि महिला पार्षद के पति, बेटे-

बेटी, भाई-बहन या किसी दूसरे करीबी रिश्तेदार को उनकी जगह काम करने या प्रतिनिधि बनने की अनुमति नहीं होगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने 2022 के नियमों में बदलाव किया है।

सरकार ने पुराने नियम 3 के बाद नया नियम 4 जोड़ा है। इसमें साफ किया गया है कि अगर किसी नगरीय निकाय में कोई महिला जनप्रतिनिधि चुनाव जीतती हैं, तो उनके परिवार का कोई सदस्य उनके नाम पर प्रतिनिधि बनकर काम नहीं कर सकेगा।

15 अगस्त से बदलेंगे वाहन नियमः लाइसेंस खत्म होने के बाद भी 30 दिन चलेगा, पहली गलती पर कई मामलों में चेतावनी देकर छोड़ेंगे

रायपुर। मोटर वाहन चलाने वालों के लिए 15 अगस्त से कुछ नियम बदल जाएंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने जन विश्वास (संशोधन) अधिनियम, 2026 के तहत मोटर यान अधिनियम में किए बदलाव लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके बाद ड्राइविंग लाइसेंस, गाड़ियों के कागजात, यातायात उल्लंघन, बीमा और सड़क दुर्घटना मुआवजे से जुड़े नियमों में बदलाव होगा।

नए नियम में ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता को लेकर राहत दी गई है। अब लाइसेंस की वैधता की अवधि खत्म होने के बाद भी वह 30 दिन तक प्रभावी रहेगा। यानी लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद उसे अवैध मानकर कार्रवाई नहीं की जा सकेगी।

साथ ही, लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए उसकी समाप्ति से एक साल पहले तक आवेदन किया जा सकेगा और समय पर आवेदन करने पर नवीनीकरण लाइसेंस की समाप्ति की तारीख से प्रभावी होगा। वाहन का पंजीकरण प्रमाण-पत्र रद्द होने या उससे जुड़े कुछ मामलों में दस्तावेज जमा करने के लिए मिलने वाली अवधि को 14 दिन से बढ़ाकर 30 दिन किया गया है।

छोटी गलती पर क्या पहली बार चेतावनी मिलेगी? -हां, ऐसे यातायात उल्लंघन जिनके लिए अधिनियम में अलग से जुर्माना या दंड निर्धारित नहीं है, उनमें पहली बार गलती करने पर दर्ज चेतावनी दी जाएगी। दूसरी या उसके बाद की गलती पर 500 से 1,500 रुपए तक का दंड हो सकता है।

बिना जरूरत बार-बार हॉर्न बजाने पर? -बिना जरूरत या लगातार हॉर्न बजाने, हॉर्न निषेध क्षेत्र में हॉर्न बजाने अथवा साइलेंसर के बजाय कट-आउट से धुआं निकालने वाले वाहन पर पहली बार चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार में 1,000 से 2,000 रुपए तक का दंड वसूल किया जाएगा।

बिना वैध मोटर थर्ड पार्टी बीमा वाहन चलाते मिले तो अब वाहन के निर्धारित मूल बीमा प्रीमियम का 3 गुना या 5,000 रुपए, जो अधिक होगा। दोबारा गलती पर 5 गुना मूल प्रीमियम या 10,000 रु., जो अधिक होगा। दुर्घटना में मिली अतिरिक्त सहायता राशि मुआवजे से नहीं कटेगी? -दुर्घटना में मौत या गंभीर चोट के मामले में पीड़ित को मिलने वाली अनुग्रह राशि को मोटर दुर्घटना मुआवजे से घटेगी नहीं। यानी पीड़ित की अतिरिक्त सहायता राशि के कारण वैधानिक मुआवजा कम नहीं होगा।

मुआवजे के लिए देरी पर भी मौका? -दुर्घटना के मुआवजे के लिए आवेदन की सामान्य छह महीने की अवधि खत्म होने के बाद भी दावा अधिकरण, पर्याप्त कारण होने पर, अगले अधिकतम 12 महीने तक आवेदन स्वीकार कर सकता है। साथ ही, दावे का निपटारा 12 महीने में करने का प्रयास करना होगा; ऐसा न होने पर देरी की वजह बतानी होगी।

खतरनाक वाहन पर सख्ती? -ऐसे वाहन को सड़क पर चलाने पर, जिसमें ऐसा दोष है जिससे लोगों या दूसरे वाहनों के लिए खतरा पैदा हो सकता है, 5,000 रुपए तक का दंड हो सकता है। यदि उसी दोष से दुर्घटना में चोट या संपत्ति का नुकसान होता है तो अलग कठोर कार्रवाई का प्रावधान है। सड़क सुरक्षा या वायु प्रदूषण के निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने पर पहली बार 10,000 रुपए तक दंड और तीन महीने तक लाइसेंस से अयोग्यता का प्रावधान किया गया है।

7 जिलों में दवा दुकानों और गोदामों पर कार्रवाईःबगैर लाइसेंस रखी गई 36 तरह की दवाइयां जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिना लाइसेंस दवा रखने और बेचने वालों पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग ने 7 जिलों में दवा दुकानों और गोदामों की जांच की। इस दौरान बिना लाइसेंस रखी गई 36 तरह की दवाएं जब्त की गईं। वहीं, एक मेडिकल स्टोर का लाइसेंस भी सस्पेंड किया गया है।

विभाग की टीमों ने मेडिकल स्टोर, दवा गोदाम और दवाओं की सप्लाई से जुड़े ठिकानों की जांच की। इस दौरान दवाओं के लाइसेंस, बिल, स्टॉक और डॉक्टर की पर्ची समेत जरूरी दस्तावेज देखे गए।

बिलासपुर के तखतपुर क्षेत्र के ग्राम खमरिया में बिना लाइसेंस दवाएं रखने की सूचना पर टीम ने कार्रवाई की। जांच के दौरान 36 तरह की दवाएं मिलीं। इन्हें जब्त कर लिया गया है। दवाओं के सैंपल जांच के लिए लैब भेजे जा रहे हैं।

जशपुर में शिकायत मिलने पर मां भगवती मेडिकल स्टोर की जांच की गई। यहां मरीजों का इलाज करने, इंजेक्शन लगाने या स्लाइन चढ़ाने जैसी गतिविधियां नहीं मिली।

हालांकि दवा से जुड़े नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। विभाग ने मेडिकल स्टोर संचालक को नोटिस देकर जवाब मांगा। जवाब और रिकॉर्ड की जांच के बाद स्टोर का दवा बेचने का लाइसेंस 15 दिन के लिए सस्पेंड कर दिया गया।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज कार्यक्षेत्र में कुछ अड़चनें सामने आ सकती हैं। किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने में अपेक्षा से अधिक समय लग सकता है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। किसी भी बड़े निवेश या वित्तीय फैसले में जल्दबाजी न करें। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाकर चलना लाभकारी रहेगा।

वृषभ। आज स्थिति सामान्य बनी रहेगी, लेकिन विरोधी आपकी परेशानियां बढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अपनी योजनाओं और महत्वपूर्ण जानकारी को हर किसी के साथ साझा करने से बचें। नौकरीपेशा लोगों को अपने काम पर पूरा ध्यान देना चाहिए। व्यापार में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, इसलिए धैर्य और समझदारी से निर्णय लें।

मिथुन। आज कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। कुछ काम तेजी से पूरे होंगे, जबकि कुछ महत्वपूर्ण कार्यों में देरी हो सकती है। ऐसी स्थिति में धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। किसी नए प्रोजेक्ट या योजना पर निर्णय लेने से पहले उसके सभी पहलुओं पर विचार करें। व्यापारियों को जल्दबाजी में कोई बड़ा निवेश करने से बचना चाहिए।

कर्क। कर्क राशि वालों के लिए आज ग्रहों की स्थिति कई तरह के बदलावों की ओर संकेत कर रही है। सूर्य ग्रहण और गुरु के उदय के प्रभाव को देखते हुए संयम और मानसिक शांति बनाए रखना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण फैसले को लेकर असमंजस हो सकता है, इसलिए जल्दबाजी से बचें। बड़े वित्तीय लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें और दस्तावेजों की अच्छी तरह जांच करें। व्यापारियों को जोखिम भरे सौदों से दूरी बनाए रखना लाभकारी रहेगा।

सिंह। आज सिंह राशि वालों के लिए ग्रहण का प्रभाव खर्चों में बढ़ोतरी का संकेत दे रहा है। आपकी राशि के 12वें भाव में प्रभाव होने से बजट बिगड़ सकता है और अचानक खर्च सामने आ सकते हैं। इसलिए आर्थिक योजना बनाकर चलें और गैरजरूरी खरीदारी से बचें। परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन शांत रहकर बातचीत करने से स्थिति सुधर सकती है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

कन्या। आज का दिन आपके लिए आत्ममंथन और सुधार का संदेश लेकर आया है। बीते समय की गलतियों से सीखकर अपनी कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव करने का प्रयास करें। अनावश्यक तनाव लेने से बचें और उन बातों पर ध्यान दें, जिन्हें आप वास्तव में नियंत्रित कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। अपनी योजनाओं को हर किसी के सामने साझा न करें।

तुला। आज आर्थिक मोर्चे पर मिले-जुले परिणाम देखने को मिल सकते हैं। आय के साथ-साथ कुछ अतिरिक्त खर्च भी सामने आ सकते हैं, इसलिए बजट का ध्यान रखें। किसी बड़े निवेश में जल्दबाजी करने के बजाय पूरी जानकारी जुटाना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में दोस्तों और सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाकर चलना आपके लिए लाभकारी होगा।

वृश्चिक। आज करियर और व्यापार में नए अवसर सामने आ सकते हैं। किसी नए प्रोजेक्ट या जिम्मेदारी के मिलने से आपकी व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन मेहनत का सकारात्मक परिणाम भी मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपनी कार्यक्षमता साबित करने का अवसर मिलेगा। व्यापारियों को नए सौदों में लाभ की संभावना है, हालांकि हर निर्णय सोच-समझकर लें। वाणी पर विशेष संयम रखना जरूरी होगा।

धनु। आज त्रिक भाव सक्रिय होने के कारण करियर और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। नौकरी में बदलाव या नई जिम्मेदारी पर निर्णय लेने से पहले अच्छी तरह विचार करें। लंबी यात्राओं के दौरान सावधानी बरतें। विदेश से जुड़े कामकाज में दस्तावेजों और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखें। व्यापारियों को बड़े जोखिम वाले निवेश से बचना चाहिए।

मकर। आज शत्रुओं पर विजय मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में विरोध करने वाले लोग आपकी मेहनत के सामने कमजोर पड़ सकते हैं, लेकिन आपको भी किसी से अनावश्यक उलझने से बचना चाहिए। नौकरीपेशा लोगों को अपनी जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। व्यापारियों के लिए दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक मामलों में कुछ खर्च चिंता का कारण बन सकते हैं, इसलिए बजट बनाकर चलें। स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी आवश्यक है।

कुंभ। आज ग्रहों की शुभ स्थिति के कारण अचानक धन लाभ होने की संभावना बन रही है। आर्थिक क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा और आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा तथा महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। व्यापारियों को नए सौदों से लाभ मिलने के संकेत हैं। किसी पुराने निवेश का सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और परिजनों का सहयोग मिलेगा।

मीन। आज रचनात्मक कार्यों में आपका मन अधिक लगेगा। कला, लेखन, डिजाइन या किसी नए विचार से जुड़े काम में सफलता मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी कल्पनाशीलता की सराहना हो सकती है। व्यापारियों को नई योजनाएं बनाने का अवसर मिलेगा, लेकिन आर्थिक फैसले बहुत सावधानी से लें। किसी भी बड़े निवेश में जल्दबाजी न करें और जोखिम का पूरा आकलन करें। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सामान्य से बेहतर रह सकता है। स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान देने की जरूरत है। अनियमित खान-पान और अत्यधिक काम से बचें। विद्यार्थियों के लिए रचनात्मक विषयों में रुचि बढ़ सकती है।

झारखंड विधानसभा घेराव करने पहुंचे स्टूडेंट्स की कहानी

30 की उम्र, 9 साल तक की तैयारी, फिर भी नौकरी नहीं; कहा- हर रात रोकर सोते हैं

रांची। 30 साल उम्र हो गई है। पांच साल से जेपीएससी-जेएसएससी की तमाम परीक्षाओं की तैयारी कर रहा हूं। समझ नहीं आ रहा क्या होगा मेरा। एक तो झारखंड में समय पर परीक्षाएं नहीं होती। परीक्षा होती है तो उसमें धांधली सामने आ जाती है।

उम्र खत्म होने का डर सताने लगा है। किसान परिवार से आता हूं। परीक्षा के फॉर्म भर सकूं, इसलिए छोटे-छोटे काम करता हूं। समझ नहीं आता अब नौकरी मिलेगी या नहीं।'

यह कहना है कोडरमा से प्रोटेस्ट में शामिल होने पहुंचे रवि की। रांची में विधानसभा घेराव करने प्रदेश से आए हजारों युवाओं में अधिकांश की लगभग ऐसी ही कहानी है। कई छात्रों ने कहा- दिन पढ़ाई, ग्रुप स्टडी, मॉक टेस्ट में बीत जाता है, लेकिन रात को घर पहुंचता हूं तो

पैरेंट्स से नजर नहीं मिला पाता हूं। माता-पिता की नजरें ऐसी होती हैं कि मानो पूछना चाह रहे हों कि तुम्हारी नौकरी कब मिलेगी?

प्रोटेस्ट में शामिल होने आए कोडरमा के गोरेलाल बताते हैं कि 2017 से **JPSC** और छुस्स्ष्ट की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। अब तक **JPSC** की दो परीक्षाएं दी हैं। इनमें 7वीं से 10वीं और 11वीं से 14वीं सिविल सेवा परीक्षा शामिल हैं। इसके अलावा **JSSC** की **CGL** परीक्षा भी दी है। लेकिन एक भी ऐसी परीक्षा नहीं रही, जिसमें धांधली के आरोप न लगे हों। यही वजह है कि मेरा सेलेक्शन नहीं हो पा रहा है।

गोरेलाल ने कहा कि घर पर ही सेल्फ स्टडी और ग्रुप स्टडी करते हैं। इसके बावजूद हर महीने स्टडी मैटेरियल, मैगजीन आदि खरीदने में करीब 1000 से 1200 रुपए खर्च हो जाते हैं। एक तरफ आर्थिक बोझ है, तो दूसरी तरफ सामाजिक और मानसिक तनाव भी झेलना पड़ रहा है।

हम चाहते है कि हर परीक्षा की जांच हो। साल 2020 से अब तक जितनी भी परीक्षाएं हुई हैं, उनमें किसी न किसी तरह की गड़बड़ी सामने आई है। अब उम्र भी बढ़ने लगी है और 30 साल की उम्र पार हो चुकी है। राज्य में सरकारी नौकरी देने की रफ्तार को देखते हुए अब यह उम्मीद खत्म होने लगी है कि नौकरी मिल पाएगी।

गोड्डा से आंदोलन में शामिल होने पहुंचे ऋषभ ने बताया कि पिछले चार साल से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। इस दौरान छह से अधिक परीक्षाएं दी हैं। परीक्षा देने के बाद जब कटऑफ मिलता था, तभी पता चल जाता था कि परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। अब तो लगने लगा है कि सब कुछ छोड़ दें और कोई परीक्षा ही न दें। निराश होने लगा हूं।

ऋषभ कहते हैं कि अब तो पैरेंट्स के पास जाने से डर लगता है। परीक्षाओं की तैयारी बोझ लगने लगी है। हमारे पिता प्राइवेट जॉब करते हैं। परीक्षा की तैयारी का खर्च निकालने के लिए हम बच्चों को ट्यूशन पढ़ाते हैं।

सरकार 500 पदों के लिए भी परीक्षा ले, लेकिन सही तरीके से ले। कम से कम परीक्षा जेन्युइन हो। यहां तो बेईमानी की पराकाष्ठा हो गई है।

महगामा से आए सनोज मंडल बताते हैं कि यहां परीक्षाएं समय पर और सही तरीके से नहीं होती हैं। अगर छुस्स्ष्ट-ष्टत्रुरु की बात करें तो इसका सिलेबस ऐसा है कि आप दूसरी किसी परीक्षा की तैयारी ही नहीं कर सकते। स्नातक पूरा करने के बाद से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। पिछले छह साल से सिर्फ **JSSC** की परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं।

अगर परीक्षा निष्पक्ष तरीके से ली जाए तो वह रैंकर रह सकते हैं। हाल ही में फिल्ड वर्कर की परीक्षा हुई थी, जिसमें उन्होंने 82 फीसदी अंक हासिल किए, लेकिन इसके बावजूद सेलेक्शन नहीं हो सका।

जीजीपीएस चास के विद्यार्थी परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

बोकारो। जीजीपीएस चास में विद्यार्थी परिषद का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीआरपीएफ की 26वीं बटालियन के सेकंड इन कमांड यशवीर सिंह, सचिव सुरेंद्र पाल सिंह तथा प्रबंधन समिति के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें पद की शपथ दिलाई गई। परिषद का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व, अनुशासन एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा छात्रों और विद्यालय प्रबंधन के बीच समन्वय स्थापित करना है। परिषद में सांस्कृतिक प्रभारी रोनित एवं याशिका, साहित्यिक प्रभारी आरुप एवं अन्वी तथा अनुशासन प्रभारी राजेश एवं आरुपि बनाए गए। क्रीड़ा प्रभारी का दायित्व अजय एवं शिवानी को दिया गया। विभिन्न सदनों में भी कप्तान एवं उपकप्तान नियुक्त किए गए। मुख्य

अतिथि यशवीर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र जीवन से ही जिम्मेदारियां देने से बच्चों में कार्यकुशलता और आत्मविश्वास का विकास होता है तथा वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। जीजीपीएस अध्यक्ष तरसेम सिंह ने विद्यार्थियों को कर्तव्यनिष्ठा एवं मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि परिषद विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ विद्यालय प्रबंधन और छात्रों के बीच सेतु का कार्य करेगी। प्राचार्या श्रीमती मनवांनिया ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। गौतम शंकर नारायण शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

विधानसभा घेराव के दौरान 10 छात्र घायलः 14 पुलिसकर्मियों को भी आई चोट, एक आईसीयू में भर्ती, 12 इलाज करा घर गए

रांची। विधानसभा घेराव के दौरान हुए हंगामे में करीब 130 लोगों के घायल होने की सूचना है। जेपीएससी-जेएसएससी रिफार्म मंच के प्रतिनिधियों ने बताया कि रिफॉर्म मंच के करीब 80 छात्र-छात्राओं को चोट आई है। पुलिस ने उन्हें बेरहमी से पीटा है। वहीं, न्याय मंच के 20 से अधिक छात्रों को चोट आई है। कई छात्रों के हाथ और पैर में फ्रैक्चर है।

सदर अस्पताल में 10 छात्र गंभीर रूप से घायल होकर पहुंचे। इसमें तीन की स्थिति अच्छी नहीं थी, इसलिए उन्हें भर्ती कराया गया है। वहीं, रांची पुलिस के करीब 14 पुलिसकर्मियों को भी चोट आई है। एक पुलिसकर्मी अंजनी यादव धुर्वा स्थित निजी अस्पताल आईसीयू में भर्ती है। वहीं, देर रात 12 पुलिसकर्मियों को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है।

रक्षाबंधन को लेकर बच्चों में खासा उत्साहः डीपीएस बोकारो में नन्हे हाथों ने बनाई राखी, डाक विभाग ने की स्पीड पोस्ट

बोकारो। रक्षाबंधन को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। डीपीएस सेक्टर-5 बोकारो में सोमवार को बच्चों ने अपने हाथों से आकर्षक राखियां बनाईं।

बच्चों ने अपनी कला और रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए भाई के लिए रंग-बिरंगी राखियां तैयार की। डाक विभाग की पहल पर स्कूल परिसर में ही बच्चों की बनाई राखियों को विशेष राखी लिफाफे में डालकर स्पीड पोस्ट के माध्यम से उनके भाइयों तक भेजने की व्यवस्था की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। बच्चों ने अपनी पसंद

और कल्पना के अनुसार डाक विभाग के माध्यम से राखियों को सजाया और उन्हें भेजकर खुशी जताई।

सीएम का छात्रों के नाम संदेशःछात्रों की मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई होगीः मुख्यमंत्री

रांची। मेरे प्रिय युवा साथियों, आपने अपनी मांगों को शांतिपूर्ण तरीके से उठाया है। लोकतंत्र में अपनी बात रखना आपका अधिकार है और आपकी आवाज का सम्मान करना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार ने आपकी बात सुनी है। हमारे मंत्री लगातार आपसे संवाद करते रहे हैं। मैं आश्वस्त करता हूं कि आपकी मांगों पर पूरी गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी। पिछले कुछ दिनों में आपने देखा है कि सरकार ने दोषी चाहे कोई भी हो, किसी को नहीं बख्शा है। हमारा उद्देश्य व्यवस्था की उन कमियों को दूर करना है, ताकि भविष्य में किसी भी छात्र को परेशानी न हो। हम परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी,

तकनीक-सक्षम, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना चाहते हैं। इस बदलाव में आपकी भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

हमारा प्रयास है कि झारखंड केवल समस्याओं पर चर्चा करने वाला राज्य न रहे, बल्कि समस्याओं के समाधान की नई मिसाल कायम हो। मैं यह भी समझता हूं कि आपके शांतिपूर्ण आंदोलन के बीच विपक्ष के कुछ लोगों ने माहौल बिगाड़ने और राजनीतिक लाभ के लिए छात्रों को गुमराह करने का प्रयास किया है। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि ऐसे किसी भी राजनीतिक नैरेटिव के झांसे में न आएं। आप झारखंड का भविष्य हैं। आपकी आवाज को नजरअंदाज करना हमारा उद्देश्य नहीं है, बल्कि आपकी बात सुनना और आपकी समस्याओं का समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। मैं अपनी बात दोहराना चाहता हूं-आइए, संवाद और विश्वास के माध्यम से इस समस्या का मिलकर समाधान करें।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

					1	2	3	
1	2	3			8		4	
8		4			7	6	5	
7	6	5						
						1	2	3
	1	2	3			8		4
	8		4			7	6	5
	7	6	5					

पिछले अंक का उत्तर

8	9	7	2	4	1	6	5	3
3	6	5	8	7	9	1	4	2
2	1	4	3	5	6	9	7	8
9	7	8	5	1	3	4	2	6
5	3	1	6	2	4	7	8	9
6	4	2	9	8	7	3	1	5
7	8	9	1	3	2	5	6	4
4	5	6	7	9	8	2	3	1
1	2	3	4	6	5	8	9	7

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

पेंटिकॉस्टल में प्रथम छात्र नेतृत्व सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

बोकारो। बोकारो 7 दी पेंटिकॉस्टल असेम्बली स्कूल में 8 एवं 9 अगस्त को प्रथम छात्र नेतृत्व सम्मेलन का आयोजन हुआ। विद्यार्थी नेतृत्व, बौद्धिक प्रखरता, कूटनीतिक कौशल और वैश्विक दृष्टिकोण पर आधारित इस सम्मेलन में 148 प्रतिनिधियों तथा सचिवालय के 20 सदस्यों ने भाग लिया। संयुक्त राष्ट्र महासभा, सुरक्षा परिषद, मानवाधिकार परिषद और विश्व स्वास्थ्य संगठन की चार समितियों में वैश्विक चुनौतियों पर गंभीर विमर्श हुआ। विद्यार्थियों ने शोधपरक तथ्यों के आधार पर विचार रखते हुए संवाद, वार्ता और सहमति से प्रस्ताव तैयार किए। उद्घाटन मुख्य अतिथि सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डीएसपी मुख्यालय पवन कुमार रहे।

अफगानिस्तान वनडे वर्ल्डकप 2027 के लिए क्वालिफाई: आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच

अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया।

बेलफास्ट में सोमवार को अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई।

अफगानिस्तान कैसे क्वालिफाई हुआ

अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी। जोकि वनडे वर्ल्डकप क्वालिफिकेशन की कटऑफ डेट है।

वेस्टइंडीज का वर्ल्ड कप क्वालिफायर खेलना तय

अफगानिस्तान के क्वालिफिकेशन से वेस्टइंडीज का क्वालिफायर खेलना तय हो गया है। उसे भारत के खिलाफ 2 वनडे खेलने है, लेकिन ये मैच जीतकर भी विंडीज वनडे रैंकिंग के टॉप-8 में नहीं पहुंच सकेगी। टीम वर्तमान में नंबर-10 पर है। 2027 का वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। यह अफगानिस्तान का वनडे वर्ल्ड कप में चौथा प्रदर्शन होगा।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 300 अंक टूटा, 78,250 पर कारोबार; निफ्टी भी 50 अंक नीचे, बैंकिंग-FMCG शेयरों में बिकवाली

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार, 11 अगस्त को शुरुआती कारोबार में गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स करीब 3300 अंक टूटकर 78,250 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 50 अंक से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई और यह करीब 324,500 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है और खासतौर पर बैंकिंग तथा स्वास्थ्य शेयरों में निवेशकों की ओर से ज्यादा बिकवाली देखी जा रही है।

शुरुआती कारोबार में बैंकिंग शेयरों पर दबाव रहने से बाजार के प्रमुख सूचकांकों में कमजोरी बढ़ी। इसके अलावा स्वास्थ्य कंपनियों के शेयरों में भी मुनाफावसूली का रुख देखने को मिला। निवेशक फिलहाल वैश्विक संकेतों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और कंपनियों से जुड़े कारोबारी अपडेट पर नजर बनाए हुए हैं।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, प्रमुख सूचकांकों में हालिया उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों का रुख सतर्क बना हुआ है। ऐसे माहौल में बाजार की दिशा वैश्विक शेयर बाजारों के प्रदर्शन, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी पूंजी के प्रवाह से प्रभावित हो सकती है। निवेशकों के लिए मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों और उनके मूल्यांकन पर ध्यान देना महत्वपूर्ण रहेगा।

प्राथमिक बाजार में 3मोलबायो डायग्नोस्टिक्स और धूत ट्रांसमिशन के आईपीओ खुले हुए हैं। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स आईपीओ के जरिए करीब 939.70 करोड़ रुपये, जबकि धूत ट्रांसमिशन 3,066.89 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। दोनों आईपीओ में निवेशक 12 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। शेयर बाजार में कमजोरी के बीच इन आईपीओ पर भी निवेशकों की नजर बनी हुई है।

सोना 1,849 बढ़कर 1.52 लाख पर पहुंचा: अगस्त में 9,630 महंगा हो चुका; चांदी 15,985 चढ़कर 2.34 लाख किलो हुई

सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 11 अगस्त को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,849 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

एक किलो चांदी की कीमत 2,907 रुपए बढ़कर 2.34 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 10 दिन में ही सोना 9,630 और चांदी 15,985 रुपए महंगी हो चुकी है।

इस साल सोने-चांदी में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

चांदी की कीमत में 4 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.34 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर रहे हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सोने और चांदी के गिरते-चढ़ते भावों पर बेस्ड होते हैं। गोल्ड **ETF** या सिल्वर **ETF** की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह **BSE** और **NSE** पर की जा सकती है। हालांकि, इसमें आपको सोना या चांदी नहीं मिलता।

छत्तीसगढ़ में पहली बार होगी हॉकी लीग:रायपुर के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में सितंबर के दूसरे सप्ताह में आयोजन, ऑक्शन से चुनेंगे 6 टीमों के खिलाड़ी

रायपुर/बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के हॉकी खिलाड़ियों को बड़ा मंच देने के लिए प्रदेश में पहली बार छत्तीसगढ़ हॉकी लीग आयोजित की जाएगी। यह लीग सितंबर के दूसरे सप्ताह में शुरू हो सकती है। प्रदेशभर से उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन कर छह टीमें बनाई जाएंगी। खेल विभाग जल्द ही आयोजन की तारीख और टीमों के नाम घोषित करेगा।

लीग के सभी मुकाबले रायपुर के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में फ्लड लाइट में खेले जाएंगे। संभावित तारीख 10 से 12 सितंबर के बीच है। लीग में रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव, सरगुजा, बस्तर और रायगढ़-जशपुर का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें होंगी।

खिलाड़ियों का चयन आईपीएल की तर्ज पर ऑक्शन के माध्यम से किया जाएगा। डिप्टी सीएम एवं खेल और युवा कल्याण मंत्री अरुण साव के निर्देश पर खेल विभाग के अधिकारी और छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के पदाधिकारी आयोजन का खाका तैयार कर रहे हैं। खिलाड़ियों के चयन के लिए सभी जिलों से प्रतिभावान खिलाड़ियों की जानकारी मंगाई जा रही है।

प्रत्येक टीम में 18 खिलाड़ी होंगे, जिनमें 14 से 15 खिलाड़ी छत्तीसगढ़ के होंगे। जूनियर वर्ग में खेल रहे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी लीग में अवसर दिया जाएगा। टूर्नामेंट में खेलने वाले खिलाड़ियों को उनकी योग्यता के आधार पर निश्चित मैच फीस दी जाएगी।

इससे आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों को राहत मिलेगी। खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट जैसा अनुभव देने के लिए अभ्यास और मैच की अलग-अलग जर्सी के साथ दो बेहतर किट भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

सौरव गांगुली, पत्नी डोना को जान से मारने की धमकी:2 लेटर मिले, लिखा- सबको खत्म कर देंगे; 6 महीने से आ रहे पत्र

कुरियर से भेजे गए धमकी भरे पत्र में सौरव समेत उनकी पत्नी डोना गांगुली और उनके स्टाफ को जान से मारने की बात कही गई। गांगुली परिवार ने कोलकाता के ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन में इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार सोमवार को बंगाल क्रिकेट संघ के दफ्तर में एक कूरियर पैकेट पहुंचा। इसमें अंग्रेजी में लिखे दो लेटर मिले। इनमें बेहद आक्रामक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया गया था।

गांगुली परिवार को इस तरह के पत्र पिछले 6 महीने से लगातार मिल रहे थे। शुरुआती दिनों में परिवार ने इन्हें किसी सिरफिरे फैन या निजी नाराजगी जताने वाले व्यक्ति की हरकत समझकर नजरअंदाज कर दिया था।

हम शिकायत को गंभीरता से ले रहे हैं और जांच जारी है। जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान के लिए लेटर्स, उनके सोर्स और कूरियर की जानकारी की जांची जा रही है।

पुलिस पत्रों भेजने वाले की पहचान और उसकी वजह पता करने के साथ लेटर्स के सोर्स और कूरियर के पूरे रूट की भी जांच रही है।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि पैकेज कूरियर के जरिए भेजे गए हो सकते हैं। पुलिस को शक है कि उत्तर 24 परगना जिले के बेलघरिया के किसी व्यक्ति ने इन्हें भेजा है।

2027 वनडे वर्ल्ड कप के फॉर्मेट पर स्कॉटलैंड-नीदरलैंड्स नाराज: ICC पर अपमान का आरोप

2027 वनडे वर्ल्ड कप के नए फॉर्मेट को लेकर **ICC** और एसोसिएट देशों के बीच विवाद शुरू हो गया है। स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट के नए फॉर्मेट पर आपत्ति जताई है।

दोनों बोर्ड ने **ICC** पर फैसले लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं रखने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कम समय में किए गए बदलावों से इंटरनेशनल क्रिकेट की विश्वसनीयता और निष्पक्षता कमजोर हो सकती है।

14 टीमें खेलेंगी, टूर्नामेंट 3 स्टेज में होगा

वनडे वर्ल्ड कप में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। **ICC** ने टूर्नामेंट के लिए नया थ्री-स्टेज फॉर्मेट मंजूर किया है। पहले स्टेज में रैंकिंग की 12वीं, 13वीं और 14वीं टीमों के बीच सुपर सीरीज होगी। इनमें से सिर्फ एक टीम अगले चरण में पहुंचेगी। इसके बाद 12 टीमों को 6-6 के दो ग्रुप में बांटा जाएगा।

दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें अगले स्टेज में जाएंगी। चौथे स्थान पर रहने वाली दोनों टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम भी अगले राउंड में पहुंचेगी। इस तरह कुल 7 टीमें सुपर-7 राउंड खेलेंगी।

सुपर-7 में सभी सात टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इसके बाद टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल जीतने वाली दो टीमें फाइनल खेलेंगी।

स्कॉटलैंड-नीदरलैंड्स के लिए बढ़ी मुश्किल

नए फॉर्मेट का असर स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स जैसी एसोसिएट टीमों पर सबसे ज्यादा पड़ सकता है। दोनों बोर्ड के मुताबिक, ऐसी टीमों को मुख्य वर्ल्ड कप तक पहुंचने के लिए कई स्टेज से गुजरना होगा।

भारतीय मूल की 11 साल की लड़की ब्रिटिश चेस चैंपियन:बोधन सिवानंदन ने रैपिड प्लेऑफ में खिताब जीता; 17 साल के श्रीयस रॉयल भी जीते

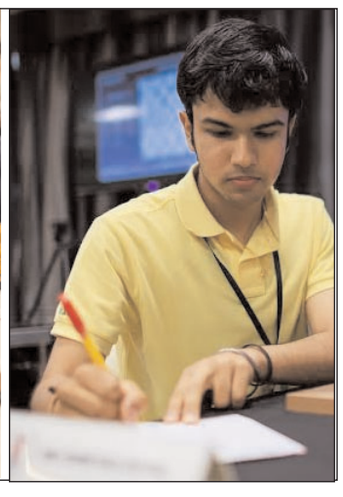

भारतीय मूल की 11 साल की बोधन सिवानंदन ब्रिटेन की सबसे कम उम्र की महिला चेस चैंपियन बन गई हैं। उन्होंने आयरलैंड की त्रिशा कन्यामराला को रैपिड चेस प्लेऑफ में हराकर ब्रिटिश चेस चैंपियनशिप का खिताब जीता।

बोधन के अलावा भारतीय मूल के ही 17 साल के श्रीयस रॉयल ने भी चैंपियनशिप अपने नाम किया। श्रीयस ने नौ राउंड के बाद पॉइंट टेबल में सबसे ऊपर रहते हुए ओपन ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। 1 अगस्त को शुरू हुआ टूर्नामेंट रविवार को कोवेंट्री में खत्म हुआ।

बोधन ने कोविड महामारी के लॉकडाउन के दौरान पहली बार चेस खेलना शुरू किया था। उस समय उनके पिता के एक दोस्त भारत लौट रहे थे। उन्होंने उसे कुछ बैग दिए थे, जिनमें चेस बोर्ड भी था।

नॉर्थ-वेस्ट लंदन की स्कूली छात्रा ने इसके बाद लगातार रिकॉर्ड बनाए। तेज फॉर्मेट में वह पहले ही यूके ओपन महिला ब्लिट्ज चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं।

बोधन ने कोविड लॉकडाउन के दौरान चेस खेलना शुरू किया।

क्लासिकल फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट की जीत के साथ 11 साल की बोधन ने तीनों फॉर्मेट में खिताब जीतने की उपलब्धि हासिल की। इस चैंपियनशिप में उन्हें एकमात्र हार छठे राउंड में श्रीयस रॉयल से मिली।

श्रीयस ने पहला ब्रिटिश खिताब जीता है। उन्हें 15 साल की उम्र में इंग्लैंड का यंगेस्ट ग्रैंडमास्टर घोषित किया गया था। साउथ-ईस्ट लंदन में रहने वाले श्रीयस टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ में शामिल थे।

श्रीयस का जन्म भारत के बेंगलुरु में हुआ था। तीन साल की उम्र में वह माता-पिता जितेंद्र और अंजू सिंह के साथ ब्रिटेन चले गए थे।

छत्तीसगढ़ का लोक-पर्व : हरेली तिहार

रायपुर। छत्तीसगढ़ी संस्कृति में लोक-त्योहारों की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसमें प्रकृति, कृषि और जीव-जंतुओं के प्रति गहरा सम्मान झलकता है। इन्हीं त्योहारों में सबसे पहला और प्रमुख त्यौहार है — हरेली तिहार। सावन माह की अमावस्या (हरियाली अमावस्या) को मनाया जाने वाला यह पर्व छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन, कृषि परंपरा और पर्यावरण-प्रेम का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की पहचान सिर्फ उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराएँ भी हैं।

छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में पर्व और त्यौहारों की बहुलता है। प्रत्येक माह कोई न कोई त्यौहार यहाँ लोक मानस को अपने रंग में रंग लेता है। ये त्यौहार जहाँ लोक जीवन में हंसी-खुशी के अवसर उपलब्ध कराती हैं, वहीं खेल और मनोरंजन के अनुकूल साबित होते हैं। प्रकति का यह हरापन छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में भी पूरी समाहित है। हरेली, भोजली, जँवारा हो या बसंत पंचमी सभी पर्वों में प्रकृति का मनोरम और इसका अप्रतिम सौंदर्य झलकता है। इस रूप-सौंदर्य में जीवन की चारों अवस्थाओं का उल्लास और उत्साह विविध रंगों में बिखरा हुआ है। शायद 'हरेली' का हरापन हमारी परंपराओं में हमारे संस्कारों में और हमारे लोक जीवन में प्राकृतिक हरीतिमा का ज्यादा एहसास कराता है। हरेली का यह हरापन सबके जीवन में बिखरे और निखरे यही कामना है। यह भी कामना है कि भौतिकता की चकाचौंध से परे हमारी खेल परंपराएँ जीवित रहे ताकि माटी से जुड़े ग्रामीणजन शारीरिक और मानसिक दृष्टि से सुदृढ़ रहें। माटी की सोंधी-सोंधी महक हमारे लोक गीतो से आती रहे और खेल परंपरा की यह अविरल धारा निरंतर गतिमान रहे।

'हरेली' शब्द 'हरियाली' से बना है। सावन के महीने में जब चारों तरफ़ खेतों और मैदानों में हरी-भरी फसलें और हरियाली लहलहाने लगती है, तब किसान इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाते हैं। इसे छत्तीसगढ़ का पहला तिहार माना जाता है, जहाँ से राज्य के प्रमुख लोक-पर्वों की श्रृंखला शुरू होती है।

कृषि यंत्रों की पूजा:- हरेली की जड़ें छत्तीसगढ़ क्षेत्र की कृषि विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। यह एक उत्सव होने के साथ-साथ एक आध्यात्मिक भेंट भी है, लोगों के लिए प्रकृति, बारिश और अपने कृषि कार्य को सम्पन्न करने के बाद किसान अपने औजार, हल, फावड़ा, कुदाल, कुदाली, कुम्हड़ी, बिन्धना, बसुला, हथौड़ी, आरी,असिया, पैसुल, छूरा, खुर्पी आदि को धोकर स्वच्छ मिट्टी (मुरमी) का आसन से सजाकर किसान-किसानिन पूजा सामग्री रखकर धुले हुए चांवल आटे से हाथा लगाकर चन्दन, फूल, धुप-दीप व चीला रोटी से भोग लगाकर श्रीफल अर्पित करते हैं एवं भाव विभोर हो प्रार्थना करते हैं - 'हे बलराम रूपी हल प्रचण्ड शक्ति के प्रतीक धारापति, आपने कंधा के रूप में माता को संवारा एवं सेवा करने में हमारी सहायता की कृषि कार्य बोनी ब्यासी रोपा के होते ही चहूओर हरियाली छाई इसके लिए कोटिश: धन्यवाद आपका कार्य सम्पन्न हुआ विश्राम करे।

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने रचा इतिहासः राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में लक्ष्य हासिल करने वाला छत्तीसगढ़ का पहला जिला बना

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रभावी नेतृत्व में जिले ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित एचआईवी नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 95-95-95 राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इस उपलब्धि के साथ एमसीबी छत्तीसगढ़ का पहला जिला बन गया है, जिसने इस चुनौतीपूर्ण राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल कर राज्य का गौरव बढ़ाया है।

इस उपलब्धि के पीछे सुनियोजित रणनीति, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, समयबद्ध उपचार और स्वास्थ्य विभाग की समर्पित टीम का सतत प्रयास रहा। जिले में एचआईवी कार्यक्रम का प्रभावी संचालन जिला नोडल अधिकारी डॉ. मो. वसीक अस्दक एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर जायसवाल के कुशल निर्देशन में किया गया, जिनके नेतृत्व में मैदानी स्तर पर अभियान को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया।

95-95-95 राष्ट्रीय लक्ष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन

एचआईवी संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित 95-95-95 लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एमसीबी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है।

प्रथम 95 (पहचान एवं जांच): संभावित एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों की समय पर पहचान एवं जांच कर जिले ने पहला 95 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया।

द्वितीय 95 (उपचार): संक्रमित पाए गए व्यक्तियों को तत्काल एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी से जोड़कर दूसरा 95 प्रतिशत लक्ष्य भी सफलतापूर्वक हासिल किया।

आंगनबाड़ी दीदियों ने सरहद पर तैनात जवानों को भेजे 2055 रक्षा सूत्र

रायपुर। हमारे जवान अपनी जान की परवाह किए बिना, हर परिस्थिति में देश की रक्षा में तत्पर रहते हैं। चाहे बर्फीले पहाड़ हों या सागर की गहराई, हर मोर्चे पर वे बिना किसी डर के अपनी ड्यूटी निभाते हैं। उनका हर कदम, उनका हर संघर्ष, उनके अदम्य साहस और ताकत का प्रतीक है। वे अपनी जान को खतरे में डालकर हमारे लिए सीमा पर खड़े रहते हैं, ताकि हम अपनी जिंदगी खुशी-खुशी जी सकें। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर सुकमा जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने देश की सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए स्नेह और सम्मान का अनूठा संदेश भेजा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए गए 'रक्षा सूत्र' अभियान के तहत जिलेभर की आंगनबाड़ी दीदियों ने अपने हाथों से 2055 राखियां (रक्षा सूत्र) तैयार की। इन रक्षा सूत्रों के साथ जवानों के तिलक के लिए सुकमा जिले की पवित्र मिट्टी भी भेजी गई। इस अभियान का शुभारंभ कलेक्टर अमित कुमार और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुन्द ठाकुर की उपस्थिति में किया गया। अधिकारियों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के इस भावनात्मक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल नारी शक्ति, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सहभागिता का प्रेरणादायक उदाहरण है।

महिला किसान रैबाली कश्यप ने एकीकृत कृषि अपनाकर रची सफलता की नई इबारत

रायपुर। बकरीपालन, गायपालन और मुर्गीपालन से दूध, मांस और अंडा मिलता है। सुगंधित धान और हरी-भरी सब्ज़ियों की खेती से अच्छा मुनाफा और पौष्टिक भोजन मिलता है। इन सभी कामों को एक साथ करने से किसान को सालभर कमाई होती है। बस्तर संभाग के बस्तर जिला के ग्राम छिंदगांव में आज उम्मीद और स्वाभिमान की एक नई मिसाल देखने को मिल रही है। गाँव की निवासी और जागृति महिला समूह से जुड़ी ग्रामीण महिला रैबाली कश्यप ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत से सफलता की अनूठी कहानी लिखी है।

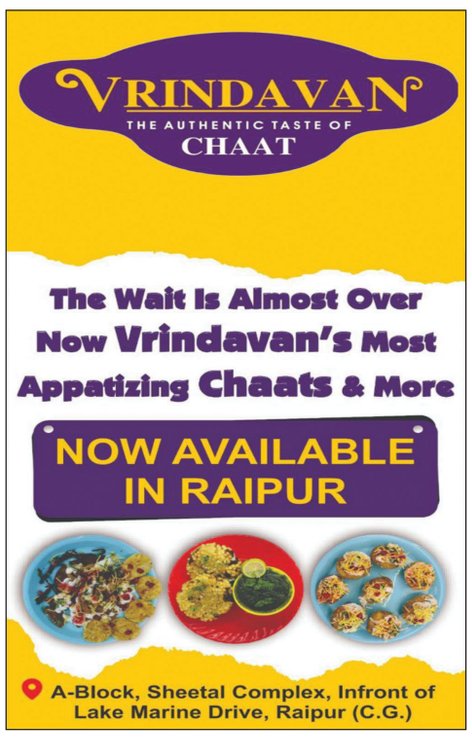

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684